डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 230 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 06 जून 2025 | मूल्य 2 रुपया

पंद्रह मिनट बारिश ने बढ़ाई उमस, आज भी आंधी-बारिश का अलर्ट

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर में गुरुवार दोपहर 15 मिनट के लिए तेज बारिश हुई। इसके बाद तेज धूप और उमस का असर महसूस किया गया। शाम को फिर आसमान पर बादलों का डेरा छा गया।

एमपी में गुरुवार को भी प्री-मानसून की एक्टिविटी देखने को मिली। मौसम विभाग ने मंदसौर, रतलाम समेत कुल 27 जिलों में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट जारी किया था। आज शुक्रवार को भी मंदसौर में बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। इससे पहले बुधवार को भी भोपाल, शाजापुर, उज्जैन, छिंदवाड़ा, राजगढ़, सागर, सतना, धार समेत कई जिलों में बारिश हुई। दमोह में करीब सवा इंच पानी बरस गया। मंदसौर में पांच जून और छह जून को बारिश और आंधी अलर्ट जारी किया गया है। मानसून के आने से पहले जून के पहले सप्ताह में प्रदेश में गर्मी का असर रहता है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर-जबलपुर समेत कई शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच जाता है। लेकिन, इस बार ऐसा नहीं है। इन शहरों में पारा 40 डिग्री से नीचे ही है। वहीं, यहां बारिश का दौर चल रहा है। अगले 04 दिन भी आंधी-बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार को ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, अशोकनगर, विदिशा, सागर, कटनी, उमरिया, डिंडोरी, मंडला, सिवनी, पांढुर्णा, बैतूल, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, रतलाम, मंदसौर और नीमच में आंधी-बारिश का अलर्ट है। यहां पर आंधी की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रह सकती है।

जमीन विवाद में दराते से हमला

पिपलियामंडी, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। जमीन विवाद में काका ने भतीजे को पीटा व लोहे के दराते से हमला कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज किया। लिलदा निवासी दिलीप पिता बंशीलाल बंजारा ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मैं अपनी खेती की जमीन पर जेसीबी से लेवलिंग करवा रहा था। इसी दौरान मेरे अंकल रमेश आए, उन्होंने कहा जमीन मेरी है और गाली-गलौज कर मारपीट की व लोहे के दराते से हमला किया, जिससे हाथ पर चोंटे आई। बीच-बचाव करने आए मेरे पिता बंशीलाल व भाई नीलेश पर भी रमेश ने हमला किया, जिससे उनके भी चोंटे आई। पुलिस ने आरोपी रमेश पर केस दर्ज किया।

नहीं थम रही एक्सप्रेस वे पर दुर्घटना की रफ्तार..!

102.8 किमी, 150 दिन, 09 हादसे, 10 मौतें, 40 घायल

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले से गुजर रहे एक्सप्रेस वे ने लोगों को सुविधा तो दी। लेकिन, कहीं न कहीं लापरवाही और वाहनों की गति हादसों की रफ्तार पर ब्रेक नहीं लगा पा रही। मंदसौर की बात करें तो 102.8 किमी के एक्सप्रेस वे पर पांच माह मतलब डेढ़ सौ दिन में नौ हादसे हो चुके हैं। जिसमें दस की मौत और 40 जन घायल हुए है। हादसे रतलाम से गुजर रहे एक्सप्रेस वे पर भी हुए है। लेकिन, जहां रतलाम का एक्सप्रेस वे मंदसौर जिले से लंबा है। वहीं वहां इसी समयावधि में आठ हादसों में पांच की मौत हुई है। जबकि, 24 जन घायल हुए है।

मंदसौर, रतलाम और झाबुआ से गुजर रहे 244 किमी लंबे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हादसों की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही है। यही एक्सप्रेस वे इन दिनों हादसों का गढ बन गया है। केवल रतलाम और मंदसौर जिले से गुजर रहे एक्सप्रेस वे पर हाल ही के पांच माह यानी 150 दिन की बात की जाए तो 17 बड़े हादसे इस पर हो चुके हैं। इनमें 15 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और 60 से ज्यादा घायल हुए हैं। हाल ही में दो बड़ी घटनाएं रतलाम एक्सप्रेस वे पर हुई है। पहली घटना पिछले महीने ही बिहार एसटीएफ के जवानों की कार पलटने से एक अफसर और एक जवान की मौके पर ही मौत हो गई। दो दिन बाद ही पलसोड़ी के समीप यात्रियों से भरी मिनी बस रेत से भरे डंपर में पीछे से जा घुसी। जिसमें मंदसौर के 16 यात्री घायल हो गए थे।

इस मामले में प्रोजेक्ट मैनेजर एनएचएआई संदीप पाटीदार का कहना है कि एक्सप्रेस वे पर अब तक हुए हादसों में ओवर स्पीड, चालक को नींद आना या टायर फटना प्रमुख वजह के रूप में सामने आया है। हम सभी जगह चालकों को संदेश देने के लिए लैक्स और स्क्रीन लगवा रहे हैं। गुजरात और राजस्थान का रोड चालू होने से संभवत: हादसे कम हो सकेंगे।

इन तीन जिलों से गुजर रहा एक्सप्रेस वे...

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे से मप्र के तीन जिलों मंदसौर, रतलाम और झाबुआ जिले से होकर गुजर रहा है। मप्र में इसका सबसे बड़ा हिस्सा मंदसौर में है। जबकि, सबसे कम झाबुआ जिले से गुजर रहा है। एनएचएआई के आंकड़ों के मुताबिक यह एक्सप्रेस-वे झाबुआ में 50.5, रतलाम में 91.1 और मंदसौर में 102.8 किलोमीटर है।

रतलाम पुलिस गंभीर, कर रही उपाय...

✻ पुलिस इंटरचेंज वाले स्थानों पर इंटरसेप्टर वाहन लगाने की तैयारी कर रही है, जिससे गति का पता चल सकेगा।

✻ एक्सप्रेस-वे से जुड़े थानों को हमेशा अलर्ट रहने के निर्देश दिए जा रहे, जिससे कि दुर्घटना के तुरंत बाद सहायता दी जा सके।

✻ एक्सप्रेस-वे के सीसीटीवी कैमरों की निगरानी बढाई जा रही, जिससे ओवर स्पीड वालों को नियंत्रित किया जा सके।

ये कारण सामने आए हादसों के...

✻ लगातार स्पीड में वाहन चलने से चालक को नींद का झोंका आना। ✻ कई घंटों तक वाहन चलाने और आराम नहीं करने से थकान से अनियंत्रित होना। ✻ लंबी दूरी के वाहनों में टायरों की हवा बढने से उनका फट जाना। ✻ वाहन के कांच लगे होने 100 किमी प्रतिघंटे से ज्यादा की रफ्तार से चलने से गति का अंदाजा नहीं लगा पाना।

एनएचएआई के उपाय...

✻ टोल प्लाजा पर बड़े-बड़े लैक्स लगाकर चालकों को सजग करेगी कि प्रॉपर स्पीड में वाहन चलाएं। ✻ वाहनों के टायरों की हवा चेक करें और लंबी दूरी होने पर हवा कम रखे। घर्षण से हवा बढ जाती है। ✻ चालकों को संदेश देते स्क्रीन पर डिस्प्ले लगवा रहे कि पर्याप्त नींद लेने के बाद चालक वाहन चलाएं। ✻ ज्यादा दूरी तय करनी है तो बीच-बीच में स्टे करे। जिससे कुछ आराम मिलने से राहत हो सके।

नगर पालिका की पीआईसी बैठक में विवाद

पार्षदों ने स्ट्रीट लाइट और सीवरेज बिल भुगतान पर उठाए सवाल, जमकर हुई बहस

नीमच, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। नगर पालिका परिषद की पीआईसी बैठक में कई मुद्दों पर विवाद सामने आया। बैठक निर्धारित समय 10:30 की बजाय 11 बजे शुरू हुई। बैठक बंद कमरे में आयोजित की गई, जिस पर पार्षदों ने पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया।

पार्षद छाया जायसवाल ने 40 वार्डों में लगी स्ट्रीट लाइटों की फाइल की मांग की। उन्होंने लाइटों की खरीद और खर्च में अनियमितता का आरोप लगाया। पार्षद अशोक जोशी ने जावद के एक ठेकेदार द्वारा सड़क निर्माण में की गई लापरवाही का मुद्दा उठाया। अमृत योजना-1 के तहत बिछाई गई सीवरेज लाइन के अंतिम बिल भुगतान पर सभापति दारा सिंह यादव, पार्षद नीरज अहीर और अशोक जोशी ने आपत्ति जताई। उनका कहना था कि भुगतान से पहले काम की गुणवत्ता और पूर्णता की जांच आवश्यक है। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन के तहत सेनेटरी लैंडफिल और एमआरएफ सेंटर के लिए भूमि आवंटन पर चर्चा हुई। अमृत-2.0 के अंतर्गत जल प्रदाय योजना में देरी के कारण निविदा निरस्त करने का प्रस्ताव रखा गया। विधायक की अनुशंसा पर विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति और समयपाल श्री दीपक शर्मा को निलंबन अवधि से बहाल करने पर भी विचार किया गया। नगरपालिका में जमा भंगार के विक्रय सहित अन्य विषयों पर भी चर्चा की गई।

दो बाइक की भिड़ंत में 6 लोग घायल

मनासा, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। थाना क्षेत्र में बुधवार रात एक सड़क दुर्घटना में छह लोग घायल हो गए। दरअसल भदवा और बड़कुआ गांव के बीच दो बाइक की भिड़ंत हो गई।

घायलों में 60 वर्षीय मानसिंह बंजारा, 58 वर्षीय गुंजा बाई बंजारा, 10 वर्षीय गोलू बंजारा, 28 वर्षीय सरदार और 48 वर्षीय मानसिंह गुर्जर शामिल हैं। इनके अलावा 52 वर्षीय संपत बाई गुर्जर भी घायल हुई। घटना के बाद सभी घायलों को एंबुलेंस से मनासा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को नीमच के बड़े अस्पताल रेफर कर दिया गया।वर्तमान में सभी घायलों का नीमच अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस कस्टडी से फरार हुए दो बदमाश गिरफ्तार

✻ एक को पिपलियामंडी तो दूसरे को भानपुरा पुलिस ने पकड़ा
✻ एनडीपीएस और हत्या के आरोपी पुलिस को चकमा देकर हुए थे फरार

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। हत्या और एनडीपीएस के मामले में फरार चल रहे दो बदमाशो को पुलिस ने पकड़ा है। इनमें एक एनडीपीएस का आरोपी राजस्थान की चित्तौड़गढ़ पुलिस को चकमा देकर फरार हुआ था। जिसे भानपुरा पुलिस ने पकड़ा। वहीं हत्या और लूट के फरार हुए आरोपी को पिपलिया मंडी पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। यह आरोपी गुजरात में एक आपराधिक मामले में पेशी के दौरान पुलिस को चकमा देकर भाग गया था।

गुजरात पेशी के दौरान भागा था दशरथ...

पिपलिया मंडी पुलिस ने बताया कि ग्राम लसुडिया राठौर निवासरत वृद्ध महिला चन्द्रकुंवर पति स्व. समन्दर सिंह राजपुत उम्र 65 साल की गला रेत कर अज्ञात आरोपियों द्वारा हत्या कर अफीम से भरा कुंडा लूट कर ले गये थे। पुलिस ने मामले में आरोपी दशरथ जाट पिता ओमप्रकाश जाट निवासी ग्राम चावली एवं अन्य 03 आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था। मुख्य आरोपी दशरथ जाट के विरूद्ध पूर्व में थाना निम्बाहेडा जिला चित्तौडगढ राजस्थान में भी एनडीपीएस एक्ट एवं वर्ष 2022 में थाना राजगढ जिला पंचमहल गुजरात में एनडीपीएस एक्ट के अपराध पंजीबद्ध है। 18 जून 24 को थाना राजगढ़ जिला पंचमहल गुजरात के अपराध में आरोपी की न्यायालय एनडीपीएस कोर्ट हलोल में पेशी के दौरान पुलिस को चकमा देकर अभिरक्षा से फरार हो गया था। जिस पर थाना हलोल गुजरात में मामला पंजीबद्ध किया गया था। आरापी की गिरफ्तारी पर पुलिस कप्तान मंदसौर द्वारा 10 हजार रूपये ईनाम की घोषणा की गई थी।

आरोपी अन्य राज्यों में जगह बदल-बदल कर फरारी काट रहा था। जिसे 04 जून को पुलिस ने ग्राम नवरगाव जिला चन्द्रपुर महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के अतिरिक्त उसके द्वारा अवैध मादक पदार्थ की तस्करी से अर्जित अवैध आय पर वैधानिक कार्यवाही करने हेतु थाना पिपलिया मंडी द्वाराप्रकरण तैयार कर सक्षम प्राधिकारी सफेमा/एनडीपीएसए न्यायालय मुंबई प्रस्तुत किये गये। जिसमें सुनवाई के बाद आरोपी, उसके परिवारजन एवं रिश्तेदारों की कुल सम्पत्ति 18 करोड़ 90 लाख 87 हजार 595/- रूपये का फ्रीजिंग आदेश जारी किया गया है।

बैतूल में मेडिकल परीक्षण के दौरान फरार हुआ था चित्तोड़गढ़ का आरोपी...

चित्तौड़गढ पुलिस की अभिरक्षा से फरार आरोपी को भानपुरा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी गोपाल बंजारा को दुधाखेडी माताजी मंदिर क्षेत्र से पकडा है। गोपाल को 21 मई को चित्तौडगढ़ जेल से बैतूल जैल ट्रांसफर किया जा रहा था। बैतूल के बड़े अस्पताल में मेडिकल परीक्षण के दौरान वह चित्तौड़गढ़ पुलिस को चकमा देकर भीड का फायदा उठाते हुए फरार हो गया था। इस घटना के बाद कोतवाली बैतूल में धारा 262 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। मंदसौर पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद के निर्देश पर भानपुरा थाना प्रभारी रमेशचंद्र दांगी के नेतृत्व में विशेष टीम ने मुखबीर सूचना पर आरोपी को गिरफ्तार किया। गोपाल जावद थाना क्षेत्र के आंवली चक गांव का रहने वाला है। आरोपी के खिलाफ बैतूल के सारणी थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत चार मामले दर्ज हैं। इसके अलावा मंदसौर के नारायणगढ थाने में भी एनडीपीएस एक्ट का एक मामला और बैतूल कोतवाली में पुलिस अभिरक्षा से फरार होने का एक मामला दर्ज है। ताजा जानकारी के मुताबिक पुलिस ने आरोपी को बैतूल पुलिस के सुपुर्द कर दिया है।

मंदसौर के दो युवक एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार

नीमच, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले की जीरन पुलिस ने मंदसौर के दो तस्करों के पास से 30 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की है। इसकी कीमत 03 लाख रुपए बताई गई है।चीताखेड़ा चौकी प्रभारी उप निरीक्षक राजेन्द्र सिंह सिसोदिया को मुखबीर से सूचना मिली थी। इस सूचना पर महेश ढाबा आवरी माता रोड चीताखेडा के सामने से एक एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल को रोका गया। पकड़े गए आरोपियों में मंदसौर के हरिजन बस्ती मदारपुरा निवासी अरबाज मंसूरी और कुम्हार मोहल्ला अरनोद निवासी इरफान मंसूरी शामिल हैं। इरफान फिलहाल सिंगार गली किला रोड, मंदसौर में रह रहा है।

पुलिस ने आरोपियों से 50 हजार रुपए कीमत की एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल भी जब्त की है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस पूछताछ में ड्रग्स के स्रोत का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

रतलाम पुलिस ने एक महीने में 67 बालक-बालिकाओं को खोजा

रतलाम, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत पिछले एक माह में 67 लापता बच्चों को खोजकर उनके परिवारों से मिलवाया है। इनमें 58 लड़कियां और 9 लड़के शामिल हैं।

पुलिस कप्तान श्री अमित कुमार ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर 01 मई से 31 मई तक चले इस अभियान में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में बच्चों की तलाश की गई। इसके लिए साइबर सेल और जेएबी शाखा की मदद से विशेष टीमें बनाई गई। टीमों ने मध्य प्रदेश के साथ गुजरात और राजस्थान में भी बच्चों की तलाश की। औद्योगिक क्षेत्र थाने की 2019 से लापता एक लड़की को खोजने में सफलता मिली। इसके अलावा 2023 से लापता एक लड़की, 2024 से लापता एक लड़का और सात लडकियां तथा 2025 में लापता हुए आठ लड़के और 49 लडकियों को खोजकर उनके घर पहुंचाया गया।

कुंडला खानखेड़ी नदी से पांच ट्रैक्टर ट्राली जप्त

खनिज विभाग ने फिर की दिखावे की कार्यवाही, फायटरों को किया अनदेखा

मनासा, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं एसडीएम श्री पवन बारिया के निर्देश में सहायक खनिज अधिकारी गजेंद्र डाबर एवं उनकी टीम द्वारा गुरुवार को खानखेडी कुंडला गांधीसागर डूब क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन पर कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान 05 ट्रैक्टरों को जप्त कर कुकड़ेश्वर एवं मनासा थाने में खड़ा करवाया गया। बता दें कि इस दौरान नदी को छलनी कर रेत निकाल रहे फायटरो को अनदेखा किया गया।

खनिज अधिकारी कुंडला कानखेडी में रेत माफिया के खिलाफ कार्यवाही करने के बजाय मात्र 4-5 रेत के ट्रैक्टर जप्त कर अपनी पीठ ठप थपा रहे है। जबकि, उसी जगह से थोडी दूर पे रेत निकालने का गोरख धंधा धड़ल्ले से चल रहा है। रेत फाइटर दिन रात चल रहे है, जो खनिज विभाग को नजर नहीं आ रहे है। राजनीतिक संरक्षण के चलते खनिज विभाग मात्र खाना पूर्ति कर रही है। आखिर ओर क्या कारण है कि जेट फाइटर को अनदेखा कर दिया। सूत्र तो यह भी कहते है कि यह सब बंदी का खेल है?

श्रीखंड महादेव कैलाश यात्रा 12 जुलाई से

13 दिन चलेगा दौर; पांच सेक्टर में बांटा क्षेत्र, भक्तों की सुरक्षा के कड़े इंतजाम

निरमंड (हिमाचल प्रदेश), 05 जून। देश की सबसे कठिनतम यात्राओं में शुमार 'श्रीखंड महादेव कैलाश यात्रा' इस वर्ष आधिकारिक तौर पर 10 जुलाई से 23 जुलाई तक चलेगी। निरमंड से मां अंबिका और दत्तात्रेय स्वामी जी की पवित्र छडी 07 जुलाई को रवाना होगी, जो गुरु पूर्णिमा के दिन श्री खंड महादेव के दर्शन कर वापस दशनामी जूना अखाड़ा निरमंड लौटेगी। यात्रा के संदर्भ में मंगलवार को निरमंड के पंचायत समिति सभागार में आयोजित यात्रा ट्रस्ट की बैठक में विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट की अध्यक्ष एवं उपायुक्त कुल्लू तोरुल एस रवीश ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की।

पंचायत समिति सभागार में आयोजित इस बैठक में श्री खंड यात्रा ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य एवं प्रदेश मिल्क फेल्डरेशन के अध्यक्ष बुद्धि सिंह ठाकुर और ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य गोविंद प्रसाद शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे। इस दौरान उपायुक्त ने विभागीय अधिकारियों, यात्रा ट्रस्ट के सदस्यों और चायल, जुआगी पंचायत के टेंट व्यापारियों के साथ श्री खंड यात्रा को लेकर विस्तृत चर्चा की।

पांच सेक्टर में बांटा क्षेत्र...

यात्रा ट्रस्ट के उपाध्यक्ष एवं एसडीएम निरमंड मनमोहन सिंह ने बताया कि यात्रा को पांच सेक्टरों में बांटा गया है, जिसमें बेस कैंप सिंह गाड, थाचडू, कुनशा, भीम द्वारी और यात्रा के अंतिम बेस कैंप पार्वती बाग में प्रशासन द्वारा यात्रियों के सहायतार्थ सेक्टर ऑफिस स्थापित किए जाएंगे। इसमें सेक्टर मजिस्ट्रेटों और उनके साथ पुलिस अधिकारियों, अटल बिहारी वाजपेई पर्वतारोहण संस्थान मनाली की रेस्क्यू टीम, जल शक्ति विभाग, वन विभाग व स्वास्थ्य विभाग आदि से इंचार्जों की नियुक्ति की जाएगी। यहां मेडिकल स्टाफ, रेवेन्यू और रेस्क्यू टीम तैनात रहेगी।

बाहरी राज्यों के श्रद्धालुओं से 250 रुपए पंजीकरण शुल्क...

यात्रा में इस बार पहली बार एनडीआरएफ की यूनिट को यात्रा के अंतिम सेक्टर पार्वती बाग में तैनात रहेगी। बाहरी राज्यों से आने वाले शिव भक्तों के लिए श्री खंड यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल बनाया गया है। इसमें ऑनलाइन और ऑफलाइन 250 रुपए पंजीकरण शुल्क रखा गया है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए श्रीखंड महादेव यात्रा ट्रस्ट के पोर्टल को जल्द खोला जाएगा।

विचार-मंथन

सरकार सेना के अधिकारियों के बयान गंभीरता से लेगी!

दुनिया भर में दिनोंदिन सामरिक चुनौतियां बढ़ रही हैं। हथियारों को अधिक मारक, कारगर और रणनीतिक रूप से सक्षम बनाने की होड़ तेज हो रही है। इसलिए हथियारों का बाजार लगातार विस्तृत हो रहा है। बहुत सारे देश प्रतिरक्षा व्यय में बढ़ोतरी करते देखे जाते हैं। अब आमने-सामने के युद्ध का दौर लगभग समाप्त हो गया है। हवाई और लक्षित हमले से दुश्मन को पराजित करने की कोशिश की जाती है। फिर, अब कोई भी युद्ध केवल दो देशों का मामला नहीं रह गया है। इसमें बहुध्रुवीय रणनीति अपनाई जाने लगी है। ऐसे में भारत युद्ध की स्थितियों से निपट पाने में कितना सक्षम है, इसका आकलन स्वाभाविक है। पिछले दिनों पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर लक्षित हमले किए, तो उसके नतीजों को केवल दुश्मन देश के मुकाबले अपने शौर्य प्रदर्शन तक सीमित करके नहीं देखा जा रहा। उसमें देश की सेना ने अपनी तैयारियों, कमियों और तकनीकी क्षमता का भी आकलन करना शुरू कर दिया है। इस संदर्भ में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने कहा कि युद्ध का मैदान अब कृत्रिम मेधा, मशीन लर्निंग, एलएलएम और क्वांटम तकनीक से संचालित हो रहा है। हमें अपनी नीति, संगठनात्मक संस्कृति और मानव संसाधन को नए सांचे में ढालना होगा। हालांकि पिछले नौ-दस वर्षों में भारत ने अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को अत्याधुनिक बनाने पर विशेष ध्यान दिया है। वायुसेना को अत्याधुनिक बमवर्षक विमानों, उन्नत संचार प्रणाली युक्त, ध्वनि से कई गुना तेज गति की मिसाइलों आदि से सुसज्जित किया गया है। रक्षा अनुसंधान पर विशेष बल दिया गया है। स्वदेशी तकनीक से विश्वस्तरीय बमवर्षक विमान और पनडुब्बियां तैयार की जा रही हैं। इसके बावजूद भारतीय सेना दुनिया के

अत्याधुनिक हथियारों के सामने खुद को पूरी तरह सक्षम नहीं महसूस कर पाती। कुछ दिनों पहले वायुसेना प्रमुख ने कहा था कि सेना से संबंधित परियोजनाएं समय पर पूरा नहीं हो पाती हैं। हालांकि सरकार का दावा है कि भारत जल्दी ही दुनिया के प्रमुख आयुध सामग्री आपूर्तिकर्ता देशों की कतार में शामिल होगा। अब बहुत सारे उपकरण और साजो-सामान स्वदेशी तकनीक से देश के भीतर ही तैयार कर लिए जाते हैं। हथियार के मामले में दूसरे देशों पर निर्भरता लगातार कम हो रही है। मगर, जब वायुसेना प्रमुख और रक्षा अध्यक्ष संगठनात्मक ढांचे और रक्षा उपकरणों के मामले में बदलाव की बात कर रहे हैं, तो निस्संदेह इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। भारत बेशक कभी युद्ध के पक्ष में नहीं रहता, हमेशा शांति और सौहार्द की नीति का हिमायती रहा है, मगर पाकिस्तान और चीन की तरफ से उसे लगातार जिस तरह की चुनौतियां मिलती रहती हैं, उसमें वह अपने पारंपरिक हथियारों के जखीरे पर भरोसा करके नहीं चल सकता। पाकिस्तान के साथ संघर्ष में चीन के पाकिस्तान के पीठ पीछे खड़ा हो जाने से कड़ी चुनौती महसूस की गई। इससे भारतीय सेना के लिए नए ढंग से रणनीतिक तैयारी की जरूरत रेखांकित हुई। निस्संदेह भारतीय सेना ने जिस तरह पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों का लक्ष्य भेदन किया, उससे पूरी दुनिया ने माना कि भारत अत्याधुनिक सामरिक तकनीक का उपयोग करने में सक्षम है। फिर भी बड़ी चुनौती चीन के साथ है, जो उन्नत हथियारों के मामले में अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, रूस आदि बड़े हथियार उत्पादक देशों से लगातार प्रतिस्पर्धा करता रहा है। उम्मीद की जा सकती है कि सरकार सेनाधिकारियों के बयानों को गंभीरता से लेगी।

बांग्लादेश में चीन का बढ़ता निवेश: भारत के लिए एक रणनीतिक चुनौती

अरुणिम भुयान

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने रविवार को कहा कि बड़े पैमाने पर चीनी निवेश उनके देश के लिए गेम-चेंजर साबित होगा। भारत भी इस पर ध्यान दे रहा है - और वह भी बिना किसी परेशानी के। डेली स्टार समाचार वेबसाइट ने यूनुस के हवाले से कहा, चीनी कंपनियां दुनिया में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में माहिर हैं और हम आपके भागीदार बनना चाहते हैं। उन्होंने व्यापार और निवेश पर एक दिवसीय चीन-बांग्लादेश सम्मेलन का उद्घाटन किया। एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन बांग्लादेश आर्थिक क्षेत्र प्राधिकरण और बांग्लादेश निवेश विकास प्राधिकरण ने संयुक्त रूप से किया था। यूनुस ने कहा कि लाखों बांग्लादेशी युवाओं को इतिहास में अपनी पहचान बनाने के लिए अपनी कुशलता और दृढ़ता को प्रदर्शित करने हेतु अच्छी नौकरियों की सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा, बांग्लादेश एक परिवर्तनकारी युग के मुहाने पर खड़ा है। हमारी अंतरिम सरकार निवेश के माहौल को बेहतर बनाने, विनियामक ढांचे को सुव्यवस्थित करने और व्यावसायिक संचालन के लिए अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुधारों को लागू करने में दृढ़ रही है। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार इस सम्मेलन में बांग्लादेश का दौरा करने वाले अब तक के सबसे बड़े चीनी व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया, जिसमें 150 से अधिक निवेशक और व्यापारिक नेता शामिल थे, जो चीन की कुछ सबसे बड़ी कंपनियों सहित कई कंपनियों का प्रतिनिधित्व करते थे। वहीं, विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में निवेश का आम तौर पर स्वागत किया जाता है। बांग्लादेश में चीनी भागीदारी का पैमाना, दायरा और रणनीतिक प्रकृति भारत और व्यापक क्षेत्रीय शक्ति संतुलन के लिए गंभीर चिंताएं पैदा करेंगी। भारत की सबसे बड़ी चिंता भू-राजनीति में निहित है।

बांग्लादेश में चीनी निवेश - विशेष रूप से बंदरगाहों, ऊर्जा और दूरसंचार जैसे बुनियादी ढांचे में - दिल्ली में रणनीतिक घेरे के चश्मे से देखा जाता है। इसे अक्सर स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स सिद्धांत के रूप में संदर्भित किया जाता है, जो यह मानता है कि चीन अपने स्वयं के समुद्री हितों को सुरक्षित करने और संभावित रूप से भारत के प्रभाव को बाधित करने के लिए भारत के चारों ओर वाणिज्यिक और सैन्य सुविधाओं का एक नेटवर्क विकसित कर रहा है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को नौकरी में रिजर्वेशन के खिलाफ छात्रों के आंदोलन के बाद सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद से ही भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं। यह आंदोलन लोगों द्वारा उनकी तानाशाही शासन शैली के खिलाफ बड़े पैमाने पर विद्रोह में बदल गया। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल अप्रैल में बैंकॉक में बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के दौरान यूनुस के साथ बैठक की थी, लेकिन यूनुस की टिप्पणियां भारत के लिए प्रतिकूल रही हैं। बांग्लादेश को लंबे समय से भारत के प्राकृतिक प्रभाव क्षेत्र में माना जाता रहा है, जो ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक निकटता से मजबूत है, जबकि ढाका ने पूर्व प्रधानमंत्री हसीना के तहत दिल्ली के साथ मजबूत संबंध बनाए रखे थे, इसने सक्रिय रूप से एक बैलेंस विदेश नीति का भी पालन किया है जो चीनी पूंजी और प्रौद्योगिकी का स्वागत करती है। अगर चीन बांग्लादेश का सबसे बड़ा आर्थिक साझेदार और बुनियादी ढांचा विकासकर्ता बन जाता है, तो नई दिल्ली को अपनी पारंपरिक ताकत खोने का जोखिम है। चीनी फंडिंग अक्सर पश्चिमी या भारतीय भागीदारों द्वारा मांगे गए लोकतांत्रिक और पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों के बिना आती है, जिससे यह कई विकासशील देशों के लिए अल्पावधि में अधिक आकर्षक हो जाता है। बांग्लादेश भारत के भूमि से घिरे पूर्वोत्तर राज्यों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। भारत ने बांग्लादेश के माध्यम से रेल और सड़क संपर्क, चटगांव और मोंगला बंदरगाहों के उपयोग जैसी कनेक्टिविटी परियोजनाओं में भारी निवेश किया है। इन्हीं गलियारों में चीन की भागीदारी परिचालन या सुरक्षा संबंधी चुनौतियां पैदा कर सकती है। अगर बीजिंग बांग्लादेश की बुनियादी ढांचे की योजना और क्रियान्वयन पर प्रभाव जमा लेता है, तो यह पूर्वोत्तर को देश के बाकी हिस्सों और दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ एकीकृत करने के भारत के प्रयासों को जटिल बना सकता है। अगर चीनी कंपनियां दूरसंचार, ऊर्जा ग्रिड और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों पर हावी हो जाती हैं, तो निगरानी या डिजिटल बुनियादी ढांचे के जोखिम की भी चिंता है। बांग्लादेश में चीन की आर्थिक पैठ सिर्फ भारत के लिए ही चिंता का विषय नहीं है। इसका दक्षिण एशियाई सुरक्षा ढांचे और हिंद-प्रशांत संतुलन पर व्यापक असर है। क्वाड के सदस्य अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान सभी चीन की बेल्ट एंड रोड पहल से चिंतित हैं, जिसका उद्देश्य व्यापार और बुनियादी ढांचे के नेटवर्क के जरिए एशिया, अफ्रीका और यूरोप को जोड़ना है। बांग्लादेश ने आधिकारिक तौर पर बीआरआई पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे वह चीन के क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे के जाल का हिस्सा बन गया है। जैसा कि अमेरिका और उसके साझेदार भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे जैसे वैकल्पिक ढांचे की पेशकश करने की कोशिश कर रहे हैं, चीन के साथ गठबंधन करने वाला बांग्लादेश क्वाड द्वारा प्रचारित इंडो-पैसिफिक विजन से दूर हो सकता है। भारत ने अपनी पड़ोसी पहले और एक्ट ईस्ट नीतियों, बढ़ती सहायता, रियायती कर्ज और कनेक्टिविटी पहलों के माध्यम से चीन के प्रभाव का मुकाबला करने की कोशिश की है। नई दिल्ली सांस्कृतिक, भाषाई या विदेशी और ऐतिहासिक संबंधों के साथ-साथ सॉफ्ट पावर और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी निर्भर करती है। बांग्लादेश की राजनीति और अर्थव्यवस्था के एक भारतीय विशेषज्ञ के अनुसार रविवार के सम्मेलन के उद्घाटन पर यूनुस के बयान को राजनीतिक रूप से देखा जाना चाहिए। विशेषज्ञ ने नाम न बताने की शर्त पर ईटीवी भारत को बताया, वह चीन के साथ द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते के लिए प्रयास कर रहे हैं। ढाका में कार्यक्रम उसी का एक हिस्सा है।

भीतर से कोमल और सजग बने रहना जरूरी...

सुप्रिया सत्यार्थी

यह जीवन निरंतर गतिशीलता का नाम है। हर नया दिन, हर बीतता हुआ क्षण अपने साथ एक नया अनुभव, एक नई सीख लेकर आता है। समय के साथ जब हम जीवन को गहराई से देखने लगते हैं, तब हमें यह समझ आने लगता है कि जिन बातों को हम एकदम सही मानते हैं, जिन धारणाओं को हम अपनी सच्चाई बना लेते हैं, जरूरी नहीं कि वे हमेशा सही हों। कई बार वही धारणाएं हमें बांधने लगती हैं, भ्रमित करती हैं। वास्तविक ज्ञान तभी प्राप्त होता है, जब हम शांत मन से, स्थिर होकर जीवन को देखने का प्रयास करते हैं। जब हम बिना किसी पूर्वाग्रह के, बिना किसी विचार को पकड़े हुए, केवल एक सजग साक्षी की तरह हर घटना, हर परिस्थिति को देखते हैं, तब जीवन हमें अपनी गहराई से सिखाता है। यह संसार, समय, जीवन- सब हमारे शिक्षकों के समान हैं। हर बीतता पल, छोटी-बड़ी घटना हमें कुछ न कुछ सिखा जाती है, बशर्ते हम उसे समझने की कला विकसित करें। एक महत्वपूर्ण बात जो समय हमें सिखाता है, वह यह है कि किसी भी एक विचार में, एक सोच में या एक भावना में खुद को बांध लेना सही नहीं होता। जीवन बहाव का नाम है, परिवर्तन का नाम है। जो सोच आज हमें उचित लगती है, संभव है कल वही सोच हमें सीमित महसूस कराए। इसलिए जरूरी है कि हम समय के प्रवाह को समझें, और हर विचार को, हर परिस्थिति को समय के साथ धीरे-धीरे सुलझने दें। यह भी आवश्यक है कि हम अपने मन और बुद्धि से निर्णय लें कि हमारे लिए क्या उचित है, किन रास्तों पर हमें चलना है। यह निर्णय भी बिना किसी जल्दबाजी के, बिना किसी मानसिक तनाव के एक शांत और स्थिर अवस्था में लिया जाए। जब मन शांत होता है, तभी हम अपने भीतर की आवाज को सुन सकते हैं। जीवन हमें यही सिखाता है कि न तो किसी भावना में बह जाना है, न ही किसी विचार में उलझ जाना है। हर चीज को समय पर छोड़ देना चाहिए और खुद को उस विराट सोच के हवाले कर देना चाहिए जो समय के साथ हमारे भीतर प्रकट होती है। वही सोच हमें दिशा देती है, वही हमें परिपक्व बनाती है। जीवन को खुले मन और शांत चित्त से स्वीकार करना ही सच्ची समझदारी है और यही जीवन की कला है। यह भी सच है कि जीवन में कोई स्थिरता नहीं है। सब कुछ चलायमान है। भावनाएं आती हैं और चली जाती हैं, परिस्थितियां बनती हैं और फिर बदल जाती

हैं। हम जिन चीजों को पकड़ कर बैठ जाते हैं, वही हमारे दुख का कारण बनती हैं। अगर हम इन्हें आने और जाने देना सीख लें, तो शायद जीवन कहीं अधिक सहज, अधिक सुंदर हो जाए। बचपन में हमने जो बातें सीखी थीं, वे हमारे लिए समय विशेष पर उपयुक्त थीं। मगर जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, अनुभवों से गुजरते हैं, वैसी ही नई सच्चाइयां सामने आती हैं, जो पुरानी धारणाओं को चुनौती देती हैं। उस समय हमें अपने भीतर यह क्षमता पैदा करनी होती है कि हम नए विचारों के लिए खुले रहें, और जहां आवश्यक हो, वहां अपनी सोच को परिवर्तित करने में झिझक न करें। परिवर्तन कोई कमजोरी नहीं है, बल्कि यह हमारी मानसिक परिपक्वता का प्रमाण है। एक वृक्ष तभी तक जीवित है, जब तक उसमें लचीलापन है, जैसे ही वह कठोर हो जाता है, टूटने लगता है। वैसे ही हमारी सोच भी अगर कठोर हो जाए, तो वह हमें आगे नहीं बढ़ने देती। इसलिए जरूरी है कि हम भीतर से कोमल और सजग बने रहें। जीवन में जब हम ठहरते हैं, आत्मनिरीक्षण करते हैं, तो हमें यह अनुभव होता है कि सच्ची खुशी बाहर की वस्तुओं में नहीं, बल्कि हमारे दृष्टिकोण में छिपी होती है। जब दृष्टिकोण बदलता है, तो संसार बदलता है। कठिनाइयां भी अवसर बन जाती हैं और अकेलापन भी आत्मसंपर्क का माध्यम बन जाता है। यह जानना भी आवश्यक है कि हर व्यक्ति का जीवन एक अलग राह पर है। इसलिए दूसरों की तुलना में खुद को कमतर आंकना, या किसी की सफलता को देखकर अपने जीवन को नकार देना, स्वयं के साथ अन्याय है। हर किसी की यात्रा का समय और दिशा भिन्न होती है। हमें अपने अनुभवों से सीखते हुए अपने भीतर के प्रकाश को पहचानना होता है। जीवन की यह यात्रा जितनी बाहरी है, उतनी ही भीतर की ओर भी है। अगर हम केवल बाहर की ओर भागते रहेंगे उपलब्धियों, मान-सम्मान, पद, प्रतिष्ठा के पीछे तो आखिर एक खालीपन का अनुभव होगा। पर अगर हम कुछ पल खुद के साथ बैठ सकें, अपने मन की थाह ले सकें, तो वही हमारे लिए जीवन की सबसे बड़ी पूंजी बन सकती है।

आतंकवाद के वित्तपोषण पर रोक जरूरी

यहां यह कहना बहुत आवश्यक है कि पाकिस्तान गिड़गिड़ाकर समर्थन पाने का प्रयास कर रहा है, वहीं भारत की ओर से पाकिस्तान को अलग थलग करने का ठोस प्रयास भी किया जा रहा है। जिसमें भारत का बहुत हद तक सफलता भी मिल रही है। आतंकवाद को आश्रय देने वाले देश पाकिस्तान की असलियत को उजागर करने के लिए भारत ने बहुत बड़े रणनीतिक स्तर पर कार्य किया है। एक तरफ जहां पाकिस्तान केवल तीन ऐसे मुस्लिम देशों का समर्थन प्राप्त करने में सफल रहा है, जो उसे पहले से ही समर्थन कर रहे थे। वहीं भारत ने इससे आगे बढ़कर वैश्विक समुदाय के समक्ष पाकिस्तान को आतंकियों को संरक्षण देने वाला देश बताने में कोई संकोच नहीं किया। भारत ने विश्व के तमाम देशों में अपने प्रतिनिधि मंडल भेजकर भारत का पक्ष रखकर यह बताने का प्रयास किया है कि आतंकी हमला पाकिस्तान की ओर से किया गया। इसके विपरीत भारत की ओर से केवल जवाबी कार्यवाही ही की गई है, जिसका भारत को पूरा अधिकार है। भारत के प्रतिनिधि मंडलों की ओर से इस सच को दुनिया को बताने का प्रयास किया जा रहा है कि भारत की ओर से पाकिस्तान पर हमला नहीं किया गया, बल्कि आतंकवाद पर प्रहार किया गया। इसी बात पर भारत को विश्व समुदाय का समर्थन भी मिल रहा है। सबसे खास बात यह है पाकिस्तान में जहां अपनी ही सरकार विपक्ष के निशाने पर है, वहीं भारत सरकार ने अपनी कूटनीतिक चाल चलते हुए इन प्रतिनिधि मण्डलों में सत्ता पक्ष के नेताओं के साथ ही विपक्ष के कई प्रभावी नेताओं को शामिल किया है। यही नेता विश्व के देशों में भारत का पक्ष मजबूती से रख रहे हैं। इससे स्वाभाविक रूप से विश्व बिरादरी से पाकिस्तान पर अलग थलग होने का गंभीर खतरा भी उत्पन्न हो गया है। यह बात सही है कि पाकिस्तान में आश्रय और संरक्षण प्राप्त करने वाले आतंकी आकाओं को आतंकी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए वित्त पोषण प्राप्त होता रहा है। इसका आशय स्पष्ट है कि पाकिस्तान आतंक को समाप्त करने के लिए तैयार नहीं है। क्योंकि आतंकवादियों को जब तक वित्त पोषित कया जाता रहेगा, तब तक पाकिस्तान की ओर से आतंक फैलाने वालों पर अंकुश लगाने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए आतंकवाद को समाप्त करने के लिए सबसे पहले उसके वित्त पोषण पर रोक लगाना बहुत जरूरी है। यहां यह कहना बहुत आवश्यक है कि पाकिस्तान गिड़गिड़ाकर समर्थन पाने का प्रयास कर रहा है, वहीं भारत की ओर से पाकिस्तान को अलग थलग करने का ठोस प्रयास भी किया जा रहा है। जिसमें भारत का बहुत हद तक सफलता भी मिल रही है। आज के समय में पाकिस्तान इस बात को नकारने का साहस नहीं कर सकता कि उसके देश में आतंकवादी संगठन सक्रिय नहीं है। क्योंकि यह तथ्य विश्व के सामने उजागर हो चुका है। आज भी पाकिस्तान में लश्कर ए तैयबा, लश्कर ए ओमर, जैश ए मोहम्मद, हरकतुल मुजाहिदीन, सिपाह ए सहाबा, हिज्बुल मुजाहिदीन आदि पाकिस्तान में रहकर अपनी आतंकी गतिविधियां चलाते हैं। कई मामलों में आईएसआई से इन्हें सक्रिय प्रशिक्षण एवं अन्य सहयोग भी मिलते हैं। इतना ही नहीं कई बार सेना और सरकार का भी खुला संरक्षण भी इनको मिलता रहा है। पाकिस्तान सरकार की मानें तो उसके यहां 20 से अधिक आतंकी संगठन सक्रिय हैं, जबकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद इस संख्या को 150 से अधिक तक बताता है। वहीं, अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट के मुताबिक यह संख्या 70 से अधिक है। वैश्विक समुदाय के दबाव में पाकिस्तान कई बार आतंकी समूहों के विरोध में कार्यवाही करने की बात करता है।

बीजेपी-आरएसएस वालों को सरेंडर की आदतः राहुल गांधी

आज का राशिफल

मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5617

5		3						
2			3					
	4		7	1		2		3
		5	4				7	1
		4	2		1	8		
6	8				7	5		
1		7		6	9		3	
					4			6
						9		5

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5616

2	9	3	1	7	4	8	6	5
5	1	8	6	2	3	4	7	9
6	7	4	9	8	5	2	3	1
3	8	5	2	9	6	1	4	7
1	6	9	8	4	7	5	2	3
7	4	2	5	3	1	9	8	6
4	5	1	7	6	8	3	9	2
8	2	6	3	5	9	7	1	4
9	3	7	4	1	2	6	5	8

वर्ग पहेली 5617

संकेत: बाएं से दाएं

1. 31 अगस्त 1919 को इस महान कवियत्री, उपन्यासकार और निबंधकार ने जन्म लिया था (6)
6. अयोध्या के सूर्यवंशीय राजा का नाम जिनकी दूसरी पत्नी सुमति के गर्भ से 60 हजार पुत्र हुए थे (3)
8. दयालु, कृपालु, मेहरबान (4)
10. उत्तरप्रदेश की पूर्व महिला मुख्यमंत्री (सिर्फ आंशिक नाम)(2)
11. कामयाबी, सफल होने का भाव (4)
12. ऊपर, तैयार, उद्यत (3)
14. संगीत में स्वर का विस्तार, गाने की क्रिया, विस्तार (2)
16. परसों के पहले या आने वाले दिन में (3)
18. अवाम, पब्लिक, रिआया, रैयत (3)
20. धोखा देकर माल, असबाब लूटना (3)
22. मुस्लिम धर्म के मानने वालों का पवित्र ग्रंथ (3)
23. एक स्वीकृति सूचक शब्द (1)
24. घोर ध्वनि करना, बजाना (3)
25. वर के साथ कन्या पक्ष के यहां जाने वालों का समूह (3)

संकेत: ऊपर से नीचे

1. गैर बराबरी, विषमता (5)
2. शिकार हेतु गमन, आखेट (3)
3. किसी धातु को पीट और खींचकर बनाया गया तंतु या डोर (2)
4. पक्षपाती, हिमायती (5)
5. यह भारत की पहली रहस्य प्रधान फिल्म थी (3)
6. एक प्रश्नवाचक सर्वनाम (2)
9. मातृ, जन्म देने वाली स्त्री (2)
11. बराबरी, तुल्यता, समान होने का भाव (4)
13. 1918 में गणराज्य बने अफ्रीका देश की यह राजधानी है (3)
15. भेंट, उपहार, सौगात (4)
17. सूखी अदरक, को यह भी कहते है (2)
19. जो रिश्ते में पति की बहन हो (3)
21. फूलों की घनी गुंथी छोटी माला जिसे प्रायः स्त्रियां बालों में सजाने के लिए लगाती है (3)

वर्ग पहेली 5616 का हल

हमारी धरोहर नदी, तालाब साफ-स्वच्छ रहेंगे तो पर्यावरण संरक्षित रहेगा-विधायक

शासकीय विभाग व सामाजिक संगठनों ने शिवना शुद्धिकरण अभियान में श्रमदान कर मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। विधायक श्री विपिन जैन के नेतृत्व में चल रहे शिवना शुद्धिकरण अभियान के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस पर शासकीय विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, ग्रामीणजनों एवं मंदसौर नगर के खास व आम नागरिकों ने शिवना तट पर पहुंचकर श्रमदान किया। 36वें दिन श्रमदान कर शिवना नदी से 7 ट्राली जलकुंभी साफ की गई।

विधायक विपिन जैन ने कहा कि नदी, तालाब, कुएं हमारी धरोहर है। इनको साफ-स्वच्छ रखना सभी नागरिकों का कर्तव्य है। अगर हमारे जल स्त्रोत साफ रहेंगे तो पर्यावरण संरक्षित रहेगा। शिवना शुद्धिकरण अभियान में नागरिकों सहभागिता कर पर्यावरण दिवस पर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे है। 5 जून को श्रमदान करने वालों में विधायक विपिन जैन, उद्यानिकी विभाग से कैलाशसिंह सौलंकी, अशोक कुमार मोर्य, जगदीश घोडावल, मनीष राठौर, अविनाश पाराशर, दिनेश, प्रधानमंत्री सड़क योजना से दिलीपसिंह वास्केल, पद्मसिंह किराड़, राधेश्याम पगोर, जितेन्द्र रावल, ज्ञानसिंह दायमा, राजेन्द्र चौहान, हरिश कटलाना, वैभव हंसवार, अमनसिंह नाहर, राजपूत महापंचायत मंदसौर से अरविन्दसिंह खोडाना, महेन्द्रसिंह, भारतसिंह पंवार, विक्रम बना, घनश्यामसिंह चौहान, समाजसेवी मनीष भावसार, रामचन्द्र मालवीय, महेश दुबे, अभिषेक तिवारी, रमेश सोनी, हेमराज खाबिया, भुवनेश माली, नमन पालीवाल, विजय आनन्द, उमेशसिंह बेस, राकेश जैन पिंटू, महिला नेत्री वर्षा दोसरिया, मीना चौहान, आयुषी पंवार, कांग्रेसजन अनिल शर्मा, विकास दशोरा, तरूण खीची, राजनारायण लाड, मूलचंद पाटीदार, दिलीप देवडा, संजय नाहर, साबिर इलेक्ट्रीशियन, राजेश फरक्या, विश्वास दुबे, रमेश सिंगार, मनोहर नाहटा, सादिक गौरी, अजय सोनी, शिवशंकर सौलंकी, डॉ. सोहनलाल धाकड, अकरम खान, राजेश चौधरी, नितनेश बसेर, अजय सोनी, गणपत कुमावत, कैलाश कुमावत, राकेश सेन, अशोक राव, दीपक बैरागी राकोदा, मोहनपुरी गोस्वामी, ऋषिराज लाड, गोपाल बंजारा, आमिन खान, मुकेश पाटीदार, राजा भाई, अहद अली सहित बडी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

पीजी कॉलेज नीमच में पौधारोपण सम्पन्न

नीमच, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में ईको क्लब पी.जी. कॉलेज-नीमच एवं वन परिक्षेत्र-नीमच, वन विभाग-नीमच के संयुक्त तत्वाधान में पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण के संकल्प के साथ पौधा रोपण किया गया। पौधा रोपण पी.जी. कॉलेज के पीछे पर्यावरण पार्क में किया गया जिसमें छायादार एवं फलदार पौधो को रोपित किया गया। पौधा रोपण पी.जी. कॉलेज के प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, पी.जी. कॉलेज के छात्र, छात्राओ एवं एन.एस.एस. के छात्र, छात्राओ द्वारा हर्ष के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ.प्रशांत मिश्रा प्राचार्य स्वामी विवेकानन्द शासकीय स्नातकोत्तर, महाविद्यालय नीमच, डॉ.पी.सी. पंवार, सह प्राध्यापक तथा महाविद्यालय स्टाफ सहित विद्यार्थी कु.काजल नागदा, काजल कुमावत उपस्थित थे। साथ ही कार्यक्रम में उप वनमण्डलाधिकारी नीमच श्री दशरथ अखण्ड, वन परिक्षेत्र अधिकारी नीमच श्री शरद जाटव, परिक्षेत्र सहायक-नीमच श्री रमेश कुमार प्रजापति एवं श्री अब्दुल सलाम उपस्थित थे।

देशभर में लाखों विद्यार्थियों को राष्ट्रभक्ति की शिक्षा दी जा रही

जिला ग्रामीण शिक्षा समिति के नवीन आचार्य शिक्षण सत्र में 30 आचार्य दीदी ने की सहभागिता

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिला ग्रामीण शिक्षा समिति द्वारा नवीन आचार्य शिक्षण वर्ग 3 से 9 जून तक सरस्वती शिशु मंदिर नगरी में आयोजित हो रहा है। द्वितीय दिवस मंदसौर जिले से 25 स्थानों से 27 महिला एवं 3 पुरुष कुल 30 आचार्य दीदी की सहभागिता की

वर्ग के द्वितीय दिवस की वंदना सत्र में ग्राम भारती मंदसौर जिला उपाध्यक्ष श्री राजेंद्र पांडे, आवासीय विद्यालय संजीत मार्ग मंदसौर अधीक्षक श्री कमल किशोर गोठी, जिला प्रमुख श्री महेश विश्वकर्मा, वर्ग संयोजक एवं तहसील प्रमुख मंदसौर श्री मयूर सोनी की गरिमामय उपस्थिति रही। अतिथियों ने माँ सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर सत्र की शुरुआत की। मुख्य वक्ता के रूप में श्री कमल किशोर गोठी ने कहा 1952 में गोरखपुर में सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना हुई और आज देश भर में 35 हजार विद्यालय चल रहे है। लाखों की संख्या में भैया बहनों को राष्ट्र भक्ति की शिक्षा दीं जाती है और यह सब कार्य आप जैसे आचार्य परिवार की मेहनत से सम्भव हो रहा है। आचार्य की गोद में प्रलय और निर्माण दोनों खेलते है, हमे युगानुकूल शिक्षण पद्धति के मान से शिक्षण करवाने की आवश्यकता है। द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता ग्राम भारती के जिला उपाध्यक्ष श्री रविंद्र पांडे ने सामाजिक चेतना का अर्थ, विद्यालय कार्यक्रम के द्वारा छात्रों मन से समाज के मन में जागरण प्रकट करना, समाज के विभिन्न वर्गों कीं सम्मानित करना रक्षाबंधन दीपावली के माध्यम से समय-समय पर संत महात्माओं के प्रवचन, संस्कार केंद्र आदि विषयों पर प्रकाश डाला। प्रारंभ में अतिथि परिचय मयूर सोनी ने दिया। अतिथि स्वागत श्री राम बंबोरिया, सुंदरलाल विश्वकर्मा ने किया। संचालन कारुलाल प्रजापत ने किया। उक्त जानकारी सुंदरलाल गुर्जर ने दी।

शाबाउमा विद्यालय क्र. 2 में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के उपलक्ष्य में शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2, मंदसौर में एक पेड मां के नाम अभियान के अंतर्गत इको क्लब एवं एनसीसी इकाइयां मंदसौर द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय प्रांगण में पौधे लगाकर हर पौधे पर मां के नाम की तख्ती लगाई गई। जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मातृ समर्पण का संदेश भी दिया गया।

कार्यक्रम में सार्थक संस्था की संस्थापक एवं पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती उर्मिला तोमर मुख्य अतिथि रहीं। उनके साथ संस्था की टीम के सदस्य श्री शिवप्रताप सिंह, श्री भानुप्रताप देवडा, सुश्री वसुंधरा पुरावत आदि भी उपस्थित रहे। विद्यालय प्राचार्य व समस्त स्टाफ की उपस्थिति में आम, जामुन, नीम, जामफल जैसे पौधों का रोपण किया गया। विशेष बात यह रही कि पौधों के चयन में विद्यार्थियों ने अपनी माताओं की पसंद का विशेष ध्यान रखा।

पेड़ों के लिए क्यूआर कोड- विद्यालय परिसर में पूर्व से लगे वृक्षों जैसे आम, इमली, जामुन आदि पर विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए क्यूआर कोड भी लगाए गए, जिनसे बच्चे उन वृक्षों की वैज्ञानिक जानकारी व उपयोगिता को आसानी से जान सकेंगे। मुख्य अतिथि श्रीमती तोमर ने अपने उद्बोधन में कहा कि पौधा लगाकर इतिश्री नहीं करनी है, उसका संरक्षण भी हमारी जिम्मेदारी है। वहीं श्री भानुप्रतापसिंह देवडा ने बच्चों को आम की गुठलियों को एकत्र कर सुरक्षित स्थानों पर बोने की प्रेरणा दी। श्री शिव प्रताप सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि वाहनों का हमें कम से कम उपयोग करना चाहिए जिससे पर्यावरण प्रदूषण को रोक सके ,हमारे विशेष अतिथि हमारे विद्यालय के पूर्व छात्र भी रहे हैं। विद्यालय परिसर में मौजूद 20 विशाल नीम वृक्ष देखकर अतिथियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स व सभी स्टाफ सदस्य सक्रिय रूप से सम्मिलित हुए तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत चतुर्थ श्रेणी वरिष्ठ लोकसेवक श्रीमती मीरा सोनी द्वारा किया गया। स्वागत उद्बोधन प्राचार्य श्री विजयसिंह पुरावत ने दिया। संचालन श्रीमती कीर्ति सक्सेना द्वारा एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती साधना श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

जल पात्र बांटे

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। भीषण गर्मी का यह दौर पक्षियों के लिए मुसीबत बनता जा रहा है, जल संकट गहराता जा रहा है, ऐसे मे प्यासे पक्षी अपनी प्यास कहाँ बुझाये? पक्षियों की इसी पीडा को दूर करने के लिये गायत्री परिवार द्वारा पिछले 16 वर्षो से पक्षी बचाओ आंदोलन चलाया जा रहा है। अभियान के तहत आज ग्राम कोलबा मे गायत्री जयंती के पावन पर्व पर यज्ञ में उपस्थित भक्तों को जलपात्र वितरित किये। यह जानकारी देते हुए पक्षी बचाओ आंदोलन के कार्यकर्ता जगदीश पोरवाल ने बताया कि, समाज सेवियों, धार्मिक-सामाजिक सस्थाओं एवं मीडिया द्वारा पक्षी बचाओ आंदोलन पूरे देश भर में चलाया जा रहा है। सभी से निवेदन है, अपने घर कि छत पर पक्षियों के लिये जल पात्र अवश्य रखे।

प्राचार्य धाकड़ की सेवानिवृत्ति पर किया सम्मान

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रिछालाल मुहां के प्राचार्य शालीगराम धाकड की सेवानिवृत्ति पश्चात नगरी धाकड धर्मशाला में सम्मान समारोह आयोजित किया गयों बडी संख्या में धाकड समाजजनों के साथ ही आसपास की संस्थाओं के शिक्षकों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रहीं नगरी निवासी सेवानिवृत्ति प्राचार्य श्री धाकड लंबें समय से नगरी हायर सेकंडरी स्कूल में भी प्राचार्य के रूप में कार्यरत रहें।

नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम...

10 जून तक लिया जा सकेगा अशासकीय स्कूल में प्रवेश

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत वंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के बच्चों के नि:शुल्क प्रवेश के संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र ने निर्देश जारी किये हैं। इस संबंध में 29 मई को केन्द्रीयकृत ऑनलाइन लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से छात्रों को अशासकीय विद्यालय आवंटित किये गये हैं। आवेदकों को आवंटन संबंधी सूचना केन्द्र ने एसएमएस के माध्यम से प्रेषित की है।

आवेदक अशासकीय विद्यालयों के आवंटन की स्थिति, आरटीई पोर्टल पर उपलब्ध ऑप्शन से देख सकते हैं।

पालकों से कहा गया है कि अशासकीय स्कूल का आवंटन होने की स्थिति में आवेदक आवेदन में दर्ज रजिस्टर्ड मोबाइल तथा बच्चे का फोटो आवश्यक दस्तावेज की एक प्रति छात्र को साथ लेकर अशासकीय स्कूल में जाये। निर्देश में कहा गया है कि पालक एडमिशन के पूर्व यह सुनिश्चित कर ले कि वह अपने बच्चे को आवंटित स्कूल में ही प्रवेश कराना चाहते हैं, तभी प्रवेश की प्रक्रिया के लिये संबंधित स्कूल को ओटीपी प्रदान करें। संबंधित स्कूल द्वारा ओटीपी दर्ज करने के बाद ही स्कूल में नि:शुल्क प्रवेश सुनिश्चित होगा। पालकों को सचेत किया गया है कि एक बार प्रवेश के बाद पालक को किसी अन्य अशासकीय शाला में शिक्षा का अधिनियम के तहत नि:शुल्क प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।

10 जून तक होगा प्रवेश- अशासकीय स्कूल में प्रवेश 10 जून, 2025 तक ही हो सकेगा। नियत तिथि के बाद आवंटन-पत्र स्वत: निरस्त हो जायेगा। पालकों को यह जानकारी भी दी गयी है कि एक बार प्रवेश लेने के बाद भविष्य में स्कूल परिवर्तन नहीं हो सकेगा। इस संबंध में अशासकीय स्कूलों को भी निर्देश जारी किये गये हैं। विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक को आवंटन एवं प्रवेश की रिपोर्ट की समीक्षा प्रतिदिन करने के लिये कहा गया है। यदि किसी पालक द्वारा उनके बच्चे का स्कूल में सीट आवंटन के बाद संबंधित स्कूल द्वारा आवंटित विद्यार्थी को प्रवेश देने से मना करने की शिकायत मिलती है तो डीपीसी द्वारा तत्काल कलेक्टर के माध्यम से संबंधित स्कूल के विरुद्ध वैधानिक करवाई जायेगी।

शासकीय शिक्षकों के लिए बीएड और एमएड पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये आवेदन शुरु

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में शासकीय शिक्षा महाविद्यालयों में संचालित बी.एड एवं एम.एड पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया 5 जून 2025 से प्रारंभ की जा रही हैं। शासकीय शिक्षा महाविद्यालयों में संचालित इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए केवल सभी संवर्ग के शासकीय सेवारत शिक्षक ही पात्र हैं। ऐसे इच्छुक शासकीय शिक्षक जो बीएड और एमएड पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना चाहते हैं वे rsk.mponline. gov.in केमाध्यम से आवेदन कर सकेंगे। स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा प्रदेश के सभी शासकीय शिक्षा महाविद्यालयों का जिलावार चिन्हाकंन करते हुए शिक्षा महाविद्यालय के कैचमेन्ट क्षेत्र में जिलो की संख्या और नाम निर्धारित किये गए हैं। इन महाविद्यालयों में निर्धारित जिलों में कार्यरत शिक्षकों को प्रवेश मिलेगा। एक बार प्रवेश लेने के बाद महाविद्यालय में परिवर्तन नही किया जायेगा। शासकीय शिक्षा महाविद्यालयों में संचालित बी.एड एवं एम.एड पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए विस्तृत विवरण एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर देखे जा सकते हैं।

मूर्ति स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा दिवस हर्षोल्लास से सम्पन्न

मनासा, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। आज गंगा दशमी के पावन अवसर पर श्री राम मंदिर श्री पंजाबी समाज मनासा में श्री राम दरबार एवं हनुमान जी की 47वा मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा दिवस बडे हर्ष और उल्लास से मनाया गया प्रात: 8बजे से दूध एवं पंचामृत से महा अभिषेक किया गया एवं सभी सम्मानित भक्त श्रद्धालुओ एवं माताओं बहनों द्वारा पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए हमारे भाइयों को श्रद्धांजलि दी गई। तत्पश्चात प्रभु श्री राम जी का आकर्षक श्रृंगार किया गया एवं आरती की गई। आरती के पश्चात् प्रसाद वितरण किया गया। श्री समाज अध्यक्ष देसराज जी दुआ, समाज सेवीश्री भीम सैन जी वधवा, डॉ पूरण सहगल, श्री दिलीप जी गुलाटी, श्री दिलीप जी बांगा श्री वेद प्रकाश जी ग्रोवर श्री रामलाल जी वधवा एवं सभी सम्मानित समाज जन ने श्री राम जी की आरती कर सभी की मंगल कामना की प्रार्थना की उक्त जानकारी श्री राम मंदिर प्रभारी राम गुलाटी ने दी।

विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत मानपुरा, भगौर एवं खजूरीनाग में चौपाल का आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सीतामऊ द्वारा बताया गया कि, विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग तथा कृषि विज्ञान केन्द्र मन्दसौर के संयुक्त तत्वाधान में विकासखण्ड सीतामऊके ग्राम मानपुरा, भगौर एवं खजुरीनाग में सोयाबीन, उडद, मुंगफली, मक्का आदि खरीफ फसलों की उन्नत उत्पादन तकनिकी की विस्तृत जानकारी दी।

डॉ. देवेन्द्रकुमार ने कृषकों को आगामी खरीफ फसलों की बुआई की तैयारी के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुये बताया की प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार गहरी जुताई करे। जिससे बीजो का अंकुरण अच्छा होता है तथा रोग व कीटव्याधि में कमी आती है इसके पश्चात डॉ. कुमार ने बताया की मिट्टी परीक्षण बीज उपचार तथा जल निकास के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. अल्पना कुम्हारे ने बताया कि सोयाबीन फसल की उन्नत उत्पादन तकनिकी के संबंध में विस्तार से कृषकों को सोयाबीन फसल से अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिये किसान भाई सोयाबीन की नवीन किस्में एन.आर.सी. 142, एन.आर.सी. 138, एन.आर.सी. 152, एन.आर.सी. 150, आर.वी.एस. -24, आर.वी.एस. 18. जे.एस. 2098, जे.एस. 2172, जे.एस. 2094 आदि की विशेषताओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुये जैविक खेती तथा सोयाबीन में रोग व्याधि जेसे एरियल ब्लाईट रोग के लक्ष्ण व नियंत्रण के लिए पूर्व मिश्रित फफूंदनाशक फ्लोक्जापाइराक्झाड 25% + पायरोक्लास्ट्रोबिन 25%लेके कि 300 मि.ली. मात्रा प्रति 500 लीटर पानी में घोल बनाकर के प्रति हेक्टयर की दर से स्प्रे करे। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री एम.डी. शिन्दे ने सोयाबीन मोजेक रोग नियंत्रण के लिये डाइमेथोएट 30% एउ की 1000 एम. एल. मात्रा 500 लीटर पानी में अथवा इमिडाक्लोप्रिड 250 एम.एल मात्रा 500 लीटर पानी में मिश्रण तैयार कर स्प्रे करे। इसके पश्चात सोयाबीन फसल में विभिन्न प्रकार के कीटो के नियंत्रण हेतु थायो मिथाक्सम 12.5% लेम्डासायहेलोथ्रिन 9.5% नउ की 250 मि.ली. मात्रा या क्लोरएन्टानिलिप्रोल 18.5% डउ की 125 मि.ली. मात्रा प्रति हेक्टयर की दर 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करने की सलाह दी गई। श्री विजय मुवैल कृषि विस्तार अधिकारी ने कृषकों को मिट्टी नमूना एकत्रित करने व प्रधानमंत्री स्वाईल हेल्थ योजना तथा अन्य विभागीय योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। डॉ. सुरजसिंह मण्डलोई ने पशुपालन विभाग द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा पशुओं में होने वाले रोगो के निदान तथा पशुआहार के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। श्री चन्द्रवीर सिंह डोडियार ने उद्यानिकी विभाग की शासन द्वारा चलाई जा रही महत्वपूर्ण योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी व उद्यानिकी फसलों से संबंधित समस्याओं का समाधान किया। श्री हुकुमसिंह पंवार द्वारा प्राकृतिक खेती के आधार स्तम्भ जीवामृत, बीजामृत, मल्चींग, वापसा, मिश्रीत खेती पर विस्तार से जानकारी देते हुये नीमास्त्र, बृहमास्त्र आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

एडीएम ने कलेक्टर कार्यालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

नीमच, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड ने गुरूवार 5 जून को प्रात: 10:10 बजे कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कलेक्टोरेट कार्यालय स्थित कार्यालयों का निरीक्षण कर अधिकारी, कर्मचारियों की कार्यालय में उपस्थिति का जायजा लिया।

एडीएम श्रीमती गामड ने कलेक्टर कार्यालय के स्टाप कक्ष क्र.26, खाद्य, सहकारिता, जनसंपर्क, शहरी विकास (डूडा) कार्यालय, उप पंजीयक, बंगला बगीचा प्रकोष्ठ कार्यालय, कृषि, उद्यानिकी, महिला बाल विकास विभाग, आवक जावक शाखा, अंत्यावसाय, श्रम विभाग, पेंशन कार्यालय में पहुंचकर, कार्यालयीन कर्मचारियों की उपस्थिति का जायजा लिया एवं उन्होने उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया। इस निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाये गये अधिकारी कर्मचारी से वीडियों काल के माध्यम से उनके फिल्ड की जानकारी ली गई। इस पर एडीएम ने नाराजगी जताते हुए निर्देश दिए कि सभी कार्यालयों, विभागों में अधिकारी-कर्मचारी कार्यालयीन समय प्रात: 10 बजे अनिवार्य रूप से कार्यालय में उपस्थित होकर अपने दायित्वों का निवर्हन करें। एडीएम श्रीमती गामड ने निरीक्षण दौरान अनुपस्थित पाये गये सभी कर्मचारियों को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी निर्देशित किया कि यदि भविष्य में कार्यालयीन कर्मचारी समय पर उपस्थित नहीं होते है, तो एक दिवस का वेतन काटा जावेगा। एडीएम ने निरीक्षण के दौरान सभी कार्यालय प्रमुखों को अपने कार्यालय के आसपास एवं सीढीयों पर साफ-सफाई रखने के निर्देश भी दिए। सभी अधिकारी कर्मचारियों को क्यो न उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावे? इस संबंध में कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है तथा रजिस्टार आफिस में रजिस्ट्री की जानकारी ली तथा रजिस्ट्री करा रहे आमजनों से भी जानकारी ली।

नपा द्वारा नवनिर्मित उद्यान का लोकार्पण एवं नामकरण

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। गुरूवार को नपा परिषद मंदसौर द्वारा वार्ड नं. 7 बीमा हॉस्पिटल के समीप स्थित नवनिर्मित उद्यान में कल विश्व पर्यावरण दिवस एवं देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम में शामिल हुए राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष पं. राजेश दीक्षित, पूर्व विधायक श्री यशपालसिंह सिसौदिया, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने उद्यान में पौधरोपण किया। उससे पहले इस उद्यान का फिता काटकर देवी अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर नामकरण भी किया गया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के यप में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री अनिल कियावत, श्री राजेन्द्रसिंह गौतम, श्रीमती सुषमा आर्य, भाजपा मण्डल अध्यक्षगण श्री अरविन्द सारस्वत, श्री विनोद डगवार, भाजपा जिला उपाध्यक्षगण श्री राजेश पालीवाल (देवी अहिल्याबाई जन्मशताब्दी कार्यक्रम प्रभारी), श्रीमती प्रीति रोखले, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष श्री राजू चावला, शा. महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती निर्मला गुप्ता, वरिष्ठ नेता श्री पारस मावर, श्री विजय सुराणा, नपा उद्यान शाखा सभापति रमेश ग्वाला,

क्षेत्रीय पार्षद श्री तरूण शर्मा भी मचासीन थे। इस कार्यक्रम में सभी जनप्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री श्री मोदीजी के आव्हान पर एक पेड मॉ के नाम 2025 अभियान की पौधरोपण कर शुरूआत भी की।

राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस एवं देवी अहिल्याबाई होल्कर की जन्मशताब्दी पर्व पर एक साथ एक आयोजन करके नपा ने सराहनीय कार्य किया है। नपा ने इस उद्यान को नवनिर्मित स्वरूप प्रदान किया है। इससे पूरे क्षेत्र में यह उद्यान आकर्षण का केन्द्र भी बन गया है। पौधों की देखरेख के लिये यहां के निवासियों ने समिति बनाई है जो कि उद्यान की देखरेख भी करेगी। मंदसौर नगर में जो भी उद्यान है उनकी देखरेख स्थानीय लोगों की रहे और उद्यान बहुत अच्छे से विकसित हो इसके लिये वार्ड पार्षद कार्य योजना बना सकते है। नपा ने अहिल्याबाई होल्कर के नाम से जो उद्यान का नामकरण किया है वह सराहनीय है। भाजपा जिलाध्यक्ष पं. राजेश दीक्षित ने कहा कि प्रकृति ने हमें बहुत कुछ दिया है। हम भी कुछ देना सिखे। आगामी वर्षा ऋतु में हम अपने आस पडोस में एक पेड जरूर लगाये। और उसकी देखरेख का संकल्प ले। देवी अहिल्याबाई होल्कर के नाम को उनकी कीर्ति को अमर बनाने के लिये नपा परिषद ने जो भी नामकरण किया है उसके लिये मैं नपा को बधाइ देता हूँ। पूर्व विधायक श्री यशपालसिंह सिसौदिया ने कहा कि नपा ने इस उद्यान की जो डिजाइन किया है उससे इस उद्यान की सुंदरता बडी है। नपा ने आज विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण की जो शुरूआत की है उसमें लिये मैं पुरी परिषद के बधाई देता हूँ। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेन्द्रसिंह गौतम ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन देते हुए नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने कहा कि नगरपालिका आगामी समय में विस्तृत पौधरोपण की योजना बनायेगी तथा नगर के सभी वार्डों में एक एक उद्यान का चयन कर उसे उत्कृष्ट उद्यान के रूप में विकसित करने का प्रयत्न करेगी। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों ने देवी अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर माल्यार्पण भी किया। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का स्वागत नपा सभापतिगण निर्मला चंदवानी, दीपमाला रामेश्वर मकवाना, सत्यनारायण भांभी, रमेश ग्वाला, शांतिदेवी फरक्या, निलेश जैन, कौशल्या बंधवार, पार्षद प्रतिनिधि नरेन्द्र बंधवार, रामेश्वर मकवाना, दीपक गाजवा, गरिमा भाटी, शेहजाद पटेल, राकेश भावसार, सुनीता भावसार, भावना पमनानी, आशीष गौड, युसुफ गौरी, गोरधंन कुमावत, भाजपा मण्डल महामंत्रीगण केशरीमल जटिया, अमन फरक्या, बंशी राठौर, धर्मेन्द्र जटिया, पूर्व पार्षद अशोक कर्नावट, समाजसेवी पिंकेश चौरडिया, महेन्द्र परिहार, अजय रत्नावत, कमल कच्छारा, नरेन्द्र पंवार, दलजीतसिंह, हरिश लक्षकार, पियुष जैन पानवाला, नपा उपयंत्री एस.पी. सिंह, नपा उद्यान शाखा लिपिक राजेन्द्र नीमा, सिटी मिशन मेनेजर अजय शर्मा, राकेश भूरिया, वार्ड के मतदान केन्द्र अध्यक्ष महामंत्रीगण जितेन्द्र चौहान, अनूप बसेर, विकास साल्वी, जीतू पाटीदार, योगेश साल्वी, चन्द्रप्रकाश रत्नावत भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन नपा जलकार्य समिति सभापति निलेश जैन ने किया तथ आभार भाजपा के युवा नेता सोनू सांखला ने माना।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	37	1911	2160
उडद	2	3500	4900
सोयाबीन	6131	3600	4395
गैहु	9780	23550	2851
चना	396	4806	5481
मसुर	111	5500	6371
धनिया	253	5555	6850
लहसुन	17000	2511	9451
मैथी	1198	3400	5600
मुंगफली	851	4200	5030
अलसी	1081	6450	7150
सरसो	507	5751	6331
तारामीरा	2	5150	5220
इसबगोल	79	7400	10700
प्याज	3486	200	1000
कलोंजी	22	16000	20880
तुलसी बीज	13	8600	11490
डॉलर	36	4400	7157
तिल्ली	16	6200	7800
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	1	3421	3421
असालीया	151	5781	6340
चियाबीज	98	10115	13800

विश्व पर्यावरण दिवस पर मेडिकल कालेज परिसर में 40 पौधे लगाए

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। सुंदरलाल पटवा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अधिष्ठाता द्वारा बताया गया कि विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में सुंदरलाल पटवा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय परीसर में पौधारोपण किया गया। जिसमें डॉ. शशि गाँधी अधिष्ठाता के मार्गदर्शन में एवं डॉ. उर्मीला तोमर व उनके सहयोगी मेम्बर सार्थक सोश्यल वेल फेयर सोसायटी मंदसौर के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस पर कालेज परिसर में समस्त चिकित्सक एवं अन्य चिकित्सकीय स्टाफ तथा छात्र - छात्राओं द्वारा 40 पौधों का पौधारोपण किया गया। आगामी दिनों में और वृक्षों का पौधारोपण किया जाएगा। कुल पांच सो वृक्षों के पौधारोपण का लक्ष्य है।इस अवसर पर सुंदरलाल पटवा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय मंदसौर में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के अध्यनरन छात्र - छात्राओं द्वारा पर्यावरण पर जनजागरूक के लिये पोस्टर एवं नुक्कड नाटक कर सभी को जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर कॉलेज परिसर में प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने का संकल्प भी लिया गया। तथा डॉ. शशि गाँधी अधिष्ठता द्वारा अपिल की गई कि भविष्य में पर्यावरण की सुरक्षा व वृक्षों कों बचाने हेतु हर प्रकार का प्रयास किया जावे। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राजविर सिंह चौरसिया प्राध्यापक एनाटॉमी एवं डॉ. सुनील कांत गुलेरी, डॉ. राकेश, डॉ. सौमित्र सेठिया, डॉ. श्रीकांत, डॉ. कृष्ण गोपाल एवं अन्य सभी स्टाफ मेम्बर्स, सिनियर रेसीटेड, जूनियर रेसीटेड तथा छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

पीएम आवास की राशि देने के लिए आठ हजार की रिश्वत लेते...

रंगे हाथों पकड़ाया सहायक सचिव अमरु

रतलाम, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले के भ्रष्ट शासकीय कर्मचारियों को लोकायुक्त पुलिस द्वारा लगातार ट्रैप किया जा रहा है। लोकायुक्त पुलिस ने गुरुवार को जावरा की पंचायत जे सह सचिव को आठ हज़ार की रिश्वत लेते रंगे हाथो धर दबोचा। सह सचिव अमरु ने प्रधानमंत्री आवास योजना क्र राशि की दूसरी किश्त आवेदक के बैंक खाते में डालने के लिए रिश्वत मांगी थी।

लोकायुक्त पुलिस के सूत्रों के अनुसार दिनांक 4 जून को आवेदक रमेश डाबी निवासी ग्राम आख्यावेनी तहसील जावरा जिला रतलाम द्वारा पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त उज्जैन अनिल विश्वकर्मा को शिकायत आवेदन पत्र देकर शिकायत की थी कि सहायक सचिव अमरु वरतिया द्वारा प्रधानमंत्री आवास की दूसरी किस्त बैंक खाते मे डलवाने के लिए लिए 10000 की रिश्वत मांगी जा रही है। शिकायत का सत्यापन पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त उज्जैन के द्वारा उच्च राजेश पाठक के माध्यम से करवाया गया। जिसमे शिकायत सत्य पाई गई तथा अनावेदक सहायक सचिव अमरु वरतिया आज ग्रामपंचायत आख्यावेनी तहसील जावरा जिला रतलाम को ग्राम पंचायत कार्यालय ग्रामपंचायत आख्यावेनी मै 8000 रु की रिश्वत लेते हुये ट्रैप किया गया है। भ्रष्ट कर्मचारी को पकडने वाली ट्रैप टीम में डीएसपी राजेश पाठक, निरीक्षक दीपक शेजवार , प्र.आरक्षक कन्हैयालाल धनगर, आरक्षक श्याम शर्मा, उमेश कुमार, स्टेनो रमेश डाबर आदि शामिल थे।

चांदी पहुंची 1.05 लाख के पार, सोने का दाम भी बढ़ा

भोपाल, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। भोपाल के सराफा बाजार में इन दिनों सोने और चांदी की कीमतें आसमान छू रही हैं। गुरुवार को 24 कैरेट सोना 10 ग्राम का रेट 1 लाख 500 रुपये तक पहुंच गया। इसी तरह चांदी भी 99,800 रुपये प्रति किलो बिक रही है। इस साल की शुरुआत में जो सोना 81,080 रुपये में मिल रहा था, अब उसमें करीब 19,000 रुपये की बढोतरी हो चुकी है। जनवरी से जून के बीच चांदी में भी 7,000 रुपये प्रति किलो की कीमत दर्ज की गई है।

सोना-चांदी सस्ता होने की कम संभावना- सराफा महासंघ भोपाल के संगठन महामंत्री और प्रवक्ता नवनीत कुमार अग्रवाल ने बताया कि इस साल सोना-चांदी सस्ता होने की संभावना बेहद कम है। लगातार बढती कीमतों के कारण सराफा बाजार में ग्राहकी पर असर पड़ा है। जहां पहले शादियों के सीजन में 30 से 40 प्रतिशत तक कारोबार होता था, अब वह घटकर 15 से 20 प्रतिशत रह गया है।

सोना-चांदी महंगा क्यों हो रहा है?- कोलार के सराफा व्यवसायी योगेश सोनी ने बताया कि रूस-यूक्रेन युद्ध में तनाव बढने, अमेरिकी अर्थव्यवस्था के कमजोर आंकड़े, यूरोपीय बैंकों द्वारा ब्याज दरें घटाने और डॉलर में कमजोरी आने जैसे कारणों से सोने के दाम बढे हैं। साथ ही, औद्योगिक मांग में बढोतरी से चांदी की कीमतों में भी तेजी देखी गई है। बढती महंगाई के इस दौर में निवेशकों के लिए सोना और चांदी एक बार फिर सुरक्षित विकल्प बनकर उभरे हैं। वैश्विक अनिश्चितता और आर्थिक उतार-चढाव के चलते लोगों का रुझान इनकी ओर तेजी से बढा है। यही वजह है कि अब सिर्फ गहनों के रूप में ही नहीं, बल्कि निवेश के रूप में भी सोना-चांदी की मांग बढ रही है। कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर वैश्विक हालात ऐसे ही बने रहे तो आने वाले महीनों में कीमतें और बढ सकती हैं। हालांकि, आम ग्राहकों के लिए यह बढोतरी चिंता का विषय बन गई है, खासकर शादी-ब्याह वाले परिवारों के लिए।

अब तक के सोने-चांदी की रेट- ❊ जनवरी में: सोना रु 81,080 चांदी रु92,500 ❊ मार्चमें: सोना रु93,030 चांदी रु1,02,000 ❊ 1 जून: सोना रु99,075 चांदी रु99,500 ❊ 5 जून: सोना रु1,00,500 चांदी रु 99,800 भोपाल के सराफा बाजार में सोना पहली बार रु1 लाख प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया है, वहीं चांदी भी रु99,800 प्रति किलो हो गई है। रूस-यूक्रेन युद्ध, डॉलर की कमजोरी और बढती औद्योगिक मांग इसके पीछे की प्रमुख वजहें हैं। कीमतों में उछाल के कारण बाजार में ग्राहकी घट गई है। अब उम्मीद की जा रही है कि अगस्त में कारोबार में सुधार आएगा।

स्वास्थ्य विभाग के पांचों ब्लाकों में पौधारोपण एवं प्लास्टिक मुक्त अभियान सम्पन्न

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी. एस. चौहान एवं सिविल सर्जन डॉ. बी. एल. रावत के नेतृत्व में मंदसौर जिले के सभी पाँचों ब्लॉकों में वृक्षारोपण एवं प्लास्टिक मुक्त अभियान का आयोजन किया गया।इस वर्ष की थीम "Beat Plastic Pollution" है, जो प्लास्टिक प्रदूषण की गंभीर चुनौती का सामना करने और पर्यावरण की सुरक्षा हेतु सामूहिक प्रयास करने का संदेश देती है।इस अवसर पर जिला चिकित्सालय मंदसौर में वृक्षारोपण किया गया। वहीं ब्लॉक स्तर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र , प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र , उपस्वास्थ्य केंद्रों सहित अन्य स्वास्थ्य संस्थाओं में भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। साथ ही सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग न करने की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने सहभागिता की, जिनमें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी: डॉ. जी. एस. चौहान, सिविल सर्जन: डॉ. बी. एल. रावत, डॉ. अनिल निकुंभ, डॉ. आर. के. दिवेदी, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट: डॉ. शुभम सिलावट, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री निलेश गर्ग, डॉ. सिद्धार्थ पाटीदारतथा स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में आशा एवं आंगनबाडी कार्यकर्ताओं, विद्यालयों के छात्र-छात्राओं तथा आम नागरिकों ने भी बढ-चढकर भाग लिया।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी. एस. चौहान ने कहा कि 'प्लास्टिक प्रदूषण न केवल पर्यावरण बल्कि मानव स्वास्थ्य एवं पारिस्थितिक तंत्र के लिए भी अत्यंत हानिकारक है। इस दिशा में किए गए छोटे-छोटे प्रयास आने वाले समय में बडा बदलाव ला सकते हैं।'

कलेक्टर ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक परिसर में किया पौधारोपण

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। विश्व पर्यावरण दिवस पर कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधारोपण किया। इस दौरान मुख्य कार्यक्रम अधिकारी, सहकारी बैंक श्री सुनील कच्छावा, बैंक प्रधान कार्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। एक पेड मां के नाम अभियान अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने आम नागरिक को अपील कि आप सभी एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाए, साथ ही उसे पेड़ की देखभाल भी करें। उन्होंने कहा कि हम सभी अपने जीवन के विशेष अवसरों जैसे जन्म दिवस, वर्षगांठ आदि पर एक पेड अवश्य लगाएं।

नगरवन देवडुंगरी में 351 फलदार पौधे रोपित किए

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगरवन देवडुंगरी, वन कक्ष क्रमांक झ06 वन परिक्षेत्र मंदसौर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी के साथ एक पेड का के नाम अभियान का भी शुभारंभ हुआ। वृक्षारोपण कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, वन मण्डलाधिकारी श्री संजय रायखेरे, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, रोटरी क्लब के सदस्य, समीपस्थ गांवों की आंगनवाडी कार्यकर्ता, बच्चे एवं अधिकारी/कर्मचारी की उपस्थिति में प्रतीकात्मक वृक्षारोपण किया गया तथा वनमण्डलाधिकारी मंदसौर द्वारा बच्चों एवं उपस्थितों को पर्यावरण दिवस 2025 की थीम से अवगत करवाते हुए वन एवं वन्यप्राणी संरक्षण की जानकारी दी। पर्यावरण दिवस कार्यक्रम के अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के (विशेषकर फलदार) कुल 351 पौधे रोपित किये गए।

उद्यानिकी महाविद्यालय में हुआ पौधरोपण

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर में पौधरोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कॉलेज के प्रभारी अधिष्ठता डॉ एस.के. चौधरी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर बढते प्रदूषण को रोकने के लिए एवं पर्यावरण को बचाने के लिए हमारी भूमिका को निर्धारित करने की बात कही। एनएसएस प्रभारी श्री प्रदीप तुरुकमाने ने बताया की प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी कॉलेज ने विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम आयोजित कर कई तरह के फल एवं फूलों के पौधे रोपित किए एवं पर्यावरण को प्रदूषण से मुक्त रखने का आव्हान किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

आपातकाल के समय पीड़ित कार्यकर्ताओं के त्याग को नही भुलना चाहिये-नेमा

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के निर्देशानुसार जिला भाजपा अध्यक्ष राजेश दीक्षित के नेतृत्व में मोदी सरकार के 11 साल संकल्प से सिद्धि तक एंव अन्य संगठनात्मक कार्यक्रमो को लेकर भाजपा की जिला कार्यशाला स्थानीय नक्षत्र गार्डन कलेक्टर रोड मंदसौर पर मुख्य वक्ता पूर्व विधायक एंव जिला भाजपा संगठन प्रभारी गोपीकृष्ण नेमा राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, पूर्व विधायकगण यशपालसिंह सिसोदिया के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई। जिला कार्यशाला में केबीनेट मंत्री बाबुलाल बंजारा, विधायकगण हरदीपसिंह डंग, चन्दरसिंह सिसोदिया, पूर्व विधायकगण देवीलाल धाकड, कैलाश चावला, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार, भाजपा जिला महामंत्री गणपतसिंह आजंना ,नगरपालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर मंचस्थ थे। कार्यशाला का शुभारंभ डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी एंव पं.दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। तत् पश्चात मंचस्थ अतिथियों का स्वागत जिला पदाधिकारियों द्वारा भाजपा का दुपट्टा पहनाकर किया गया।

जिला कार्यशाला को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक एंव भाजपा जिला संगठन प्रभारी गोपीकृष्ण नेमा ने कहा की आज इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सेवा और समर्पण निमित 11 वर्षीय कार्यकाल में गरीब कल्याण की दिशा में किये गये कार्यो को आप सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाना है। आज भाजपा के पास युवा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की सेना है। लेकिन उन्होंने आपातकाल के समय तत्कालीन कांग्रेस प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की क्रूरता नहीं देखी है। आप युवा कार्यकर्ताओं ने इंदिरा गांधी द्वारा लगाये गये आपातकाल में जनसंघ और जनता पार्टी के हजारो कार्यकर्ताओं की पीडा और यातनाओं को नही देखा है। उस समय संविधान की धज्जिया उडाकर आपातकाल लगाकर कांग्रेसी नेतृत्व वाली सरकार ने हजारो की संख्या में देशभक्त कार्यकताओं को अकारण ही जेल के सकिचो के बीच पंहुचा दिया। इस कार्यशाला के माध्यम से हमें आपातकाल के समय पीडित कार्यकर्ताओं के त्याग को नही भुलना चाहिये। जिला कार्यशाला को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने कहा की 5 जून 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण हो गए। इन 11 वर्षों में मोदी सरकार ने अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं और देश को वैश्विक मंच पर एक सशक्त पहचान दिलाई है। मुद्रा योजना, जनधन खाते, जीएसटी, डिजिटलीकरण और आत्मनिर्भर भारत जैसे कदमों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और मुफ्त राशन, घर-घर शौचालय, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना जैसी योजनाओं ने देश के गरीबों को राहत पहुंचाई सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और आतंकी मॉड्यूल्स पर कड़ी कार्रवाई से भारत की सुरक्षा नीति में बड़ा बदलाव आया। देशभर में नए एक्सप्रेसवे, रेलवे, एयरपोर्ट्स और जलमार्गों का निर्माण हुआ है। जिला कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एंव पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया ने कहा की 25 जून 1975 को देश में आपातकाल की घोषणा हुई। यह वो दिन था जब संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों को कुचल दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता छीन ली गई, विपक्ष की आवाज को बंद कर दिया गया और लाखों निर्दोष नागरिकों को जेलों में ठूंस दिया गया। 1971 के आम चुनावों में भारी जीत के बाद इंदिरा गांधी सरकार पर भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के आरोप लगने लगे। 1975 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध घोषित किया। लेकिन बजाय त्यागपत्र देने के, उन्होंने देश में आपातकाल लागू कर दिया। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 352 लागू किया गया। प्रेस पर सेंसरशिप लगाई गई। अखबारों की सारी खबरें सरकार की अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं हो सकती थीं।

स्वागत भाषण देते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने अभी तक सम्पन्न हुए संगठनात्मक कार्यक्रमो का जिले के सभी मंडल अध्यक्षों से वृत्त लिया। श्री दीक्षित ने कहा कि मोदी सरकार के 11 साल पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम के लिए गौरव प्राप्त हो रहा है कि हम सब मोदी सरकार के 11 वर्षों की गौरव गाथा - संकल्प से सिद्धि तक के ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बन रहे हैं। 2014 से लेकर 2025 तक, ये 11 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के प्रतीक रहे हैं। यह कालखंड भारत को विश्व मंच पर सम्मान दिलाने का, भारत की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मजबूती का काल है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश ने अभूतपूर्व परिवर्तन का अनुभव किया है। श्री दीक्षित ने कहा की इन 11 वर्षों में गरीबों के लिए गैस कनेक्शन से लेकर घर तक, किसानों के लिए सम्मान निधि से लेकर तकनीकी सुविधा तक, युवाओं के लिए स्टार्टअप से लेकर स्किल इंडिया तक महिलाओं के लिए सशक्तिकरण से लेकर सुरक्षा तक, देश के लिए रक्षा, स्वाभिमान और विकास के अभूतपूर्व कदम उठाए गए हैं। जिले के स्तर पर भी हमें गर्व है कि हम सभी कार्यकर्ता पार्टी नहीं परिवार हैं की भावना से काम करते हुए मोदी सरकार की योजनाओं को घर-घर पहुंचा तक पंहुचाना है। जिला कार्यशाला का संचालन भाजपा जिला महामंत्री गणपत सिंह आंजना ने किया एंव आभार भाजपा जिला मंत्री नरेन्द्र पाटीदार ने माना। जिला कार्यशाला में पूर्व विधायक राधेश्याम पाटीदार, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सुराना, मनोहरलाल जैन, सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक मदनलाल राठौर, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल कियावत, सुषमा आर्य, मछुआरा प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक बाबुलाल चौहान, भोपालसिंह सिसोदिया, निहालचंद मालवीय, भाजपा जिला पदाधिकारीगण राजेश सेठिया, प्रियंका गिरी गोस्वामी, संजय मुरडिया, राजेश नामदेव, राजेश पालीवाल, शिवराजसिंह राणा, हितेश शुक्ला, गणपतसिंह आंजना, उमेश (राजु) चावला, राजकुमार गुप्ता, नरेंद्र पाटीदार, अजय तिवारी, सुनिता पालीवाल, प्रिती रोखले, शांता वेद, कृष्णपालसिंह शक्तावत, तेजपालसिंह धाकडी, हिम्मत डांगी, अंकित सोनी, निलेश जैन, विनय धनगर, सुभाष गंगवाल, मोर्चा जिलाध्यक्षगण निर्मला गुप्ता, विक्रमसिंह चौहान, अशोक सूर्यवंशी, भाजपा मंडल अध्यक्षगण उमेश पाटीदार, आदित्य मंगरोलिया, गोकुलसिंह चौहान, सीताराम चारण, महेन्द्र पहाड़िया, नीलकमल मेहता, दिलीपसिंह तरनोद, जुझारसिंह गुर्जर, धनसुख पाटीदार, जितेन्द्र बामनिया, महेन्द्रसिंह गौड, राजेश धाकड, भेरूलाल सेन, राकेश पाटीदार, आशीष विजयवर्गीय, विकास सुराणा, गोपाल पाटीदार, नेपालसिंह सिसोदिया, अरविंद सारस्वत, विनोद डगवार, विभिन्न कार्यक्रम की जिला टोली एंव मंडल टोली का गठन इस प्रकार किया गया। नरेंद्र पाटीदार, गौरव अग्रवाल, निर्मला गुप्ता, अभिषेक मंदलिया, नानालाल अटोलिया, प्रियंका गोस्वामी, जीवन शर्मा, अजय तिवारी, शिवराजसिंह राणा, राजेश सेठिया, रानु भावसार, सुशीला राठौर, राजेश नामदेव, विजय सुराणा, जितेन्द्र सिंह कोटडामाता, राधा सोनी, जगदीश परमार, अर्जुन सोनी, देवेन्द्र मरच्या, अनिता कोठारी सहित अपेक्षित श्रेणी के पदाधिकारी एंव कार्यकर्तागण उपस्थित थे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

प्रख्यात मोटिवेशन स्पीकर बीके गिरीश भाई का व्याख्यान मंदसौर में

ब्रह्माकुमारी द्वारा आयोजित पांच दिवसीय जीवन उत्सव का आयोजन

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविघालय के तत्वावधनान में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रख्यात मोटिवेशन वक्ता एवं कॉर्पोरेट ट्रेनर प्रो. ईवी गिरिष मुम्बई के पावन सानिध्य में पांच दिवसीय शिविर अध्यात्मिकता के पथ पर जीवन उत्सव का आयोजन 7 जून 2025 शनिवार से 11 जून 2025 बुधवार तक सानीय कुशाभाऊठाकरे ऑडिटोरियम में प्रतिदिन प्रात: 7.30 से 9 बजे एवं सायं 7 से 8.30 बजे तक किया जा रहा है।

यह जानकारी देते हुए आत्म कल्याण भवन तलेरा विहार की संचालिका बीके उषा ने बताया कि प्रो ईवी गिरिश मुम्बई प्रतिभावान मोटिवेशन वक्ता एवं कॉर्पोरेट ट्रेनर है जो अपने व्याख्यानों के माध्यम से मानवीय मूल्यों की अवधारणा कराने में प्रयासरत है। आपने राजयोग ध्यान विधियों का 20 वर्षो तक अभ्यास कर ईश्वर प्रदत्त बुद्धिमता तथा आध्यात्मिकता से प्राप्त अंतदृष्टि इन तीनों के अनुठे समन्वय से अनेक आत्माओं को व्यक्तिगत एवं व्यवसायिक जीवन में सामंजस्य बनाकर बेहतर जीवन शैली अपनाने की कला सिखने की महारत हासिल है। आपने अनेक नामी संस्थाओं जैसे इसरों, नाबार्ड, भारतीय सेना, आसाम रायफल, रिलायंस इंडस्ट्री, टाटा इंस्टीटयूट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, यूनिवर्सिटीस, आई,आईएम जैसे अनेक संस्थानों में अलग-अलग विषयों पर व्याख्यान दिए है। बीके उषा ने बताया कि मंदसौर में पांच दिवसीय जीवन उत्सव आयोजन के तहत पहले दिन खुशी का विज्ञान, दूसरे दिन बनाऐ रिश्ते मजबूत, तीसरे दिन बेहतर कल के लिए बेहतर कर्म, चौथा दिन पहचाने अपने भीतर के हीरों को और पांचवे दिन सफल जीवन के लिए आध्यात्मिकता विषय पर आयोजन होगा। ब्रह्माकुमारी बहनों ने नगरवासियों से आव्हान किया कि सुबह या शाम के किसी भी एक सत्र में प्रतिदिन भाग लेकर अपने जीवन को उत्सव बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में पधारकर जीवन जीने की कला को सिखें और अपने जीवन को उत्सव बनाऐ।

दो सड़क हादसे, वृद्ध व युवती घायल

पिपलियामंडी, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र में फोरलेन पर दो सडक दुर्घटनाओं में एक वृद्ध व एक युवती घायल हो गई। जिसे टोल प्लाजा पैरामेडीकल टीम ने मंदसौर जिला अस्पताल भर्ती कराया। गुरुवार सुबह 8.10 बजे करीब टोल प्लाजा के निकट हुए हादसे में बघाना (नीमच) निवासी आरती (20) घायल हो गई। महिला सडक किनारे खडी बाइक पर बैठी थी। इसी दौरान पीछे से नीमच की ओर से आ रही बाइक एमपी 44 जेडडी 6316 ने टक्कर मार दी। जिससे महिला घायल हो गई। दूसरा हादसा थडोद फन्टे पर हुआ। खेत से पैदल जा रहे थडोद निवासी अल्लाह नूर (80) को बाइक (एमपी 44 एमआर 9832) के चालक ने तेज व लापरवाहीपूर्व चलाकर टक्कर मार दी। जिससे वृद्ध गंभीर घायल हो गया। दोनों मामलों में टोल प्लाजा पैरामेडीकल टीम के विशालगिरीश भाटी, इमरान अली, पायलट सलीम ने घायलों को मंदसौर जिला अस्पताल भर्ती कराया।

गायत्री परिवार द्वारा पंचम कन्या कौशल शिविर का शुभारंभ

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। अखिल विश्व गायत्री परिवार लगातार जिला स्तरीय एवं ग्रामीण स्तर पर कन्या कौशल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 9वीं से 12वी कक्षा की छात्राओं का आयोजन कर रहा है। इसी कडी में मंदसौर में गायत्री शक्तिपीठ कालाखेत पर पंचम कन्या कौशल शिविर का शुभारंभ हुआ। जिसमें 15 गांव एवं शहरों की करीब 80 कन्याओं को विशेष भारतीय संस्कृति का योग अभ्यास, प्राणायाम, हवन यज्ञ, अपनी संस्कृति, नदियों का संरक्षण, वृक्षारोपण के साथ ही भारत के बारे में पूरी जानकारी गायत्री शक्ति पीठ पर दी जाएगी।

इस अवसर पर शिविर का दीप

प्रज्वलन के साथ शुभारंभ करते हुए डॉ. उर्मिला तोमर ने कहा कि वर्तमान में सबसे पहली आवश्यकता स्वस्थ शरीर की है यदि आप स्वस्थ नहीं है तो बडे कार्य नहीं कर सकते। आपको अपनी आत्मा को साधने के लिए शरीर को पहले साधना पडेगा। अपने जीवन में समय का ध्यान रखना होगा और सेवा के कार्य अपने हाथ में लेना होंगे। यह समय की मांग है आने वाली सदी बच्चियों की सदी है मुझे पूर्ण विश्वास है की गायत्री परिवार इस क्षेत्र में बढ-चढकर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों को संगठन में कैसे रहना यह शिक्षण शिविर में ही मिलता है अपने कार्य स्वयं करने का यह शिविर आपको जीवन जीने की कला सिखाएंगे। 4 से 9 जून तक इस शिविर के अंदर बहुत कुछ आपको सीखने को मिलेगा। एक-एक चीज को ध्यान से सुने और समझे आने वाले जीवन की आधारशिला आपको इन सूत्रों से मिलेगी। शिविर में विशेष रूप से कार्य करने वाले रेखा सिंह एवं चन्द्रकला सेठिया के साथ ही प्रमुख ट्रस्टी सुषमा त्रिवेदी ने सभी बच्चों को अनुशासन एवं शरीर में कैसे रहना इसकी जानकारी प्रदान की। शिविर में पवन गुप्ता बच्चियों को हर क्षेत्र में ले जाकर कार्य करवाएंगे। दिलीप माहेश्वरी ने प्रशिक्षण शिविर में सबके सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि बढ-चढकर इसमें अपना सहयोग और योगदान दें। यह जानकारी गायत्री परिवार के युवा प्रकोष्ठ प्रभारी पवन गुप्ता ने दी।

मंदसौर
से अहमदाबाद
एसी बस प्रतिदिन रात्रि 08.15बजे
(व्हाया-नीमच, उदयपुर)
जय श्री गणेश ट्रेवल्स
स्थान-महाराणा प्रताप बस स्टेण्ड, मंदसौर
मो-9407259243, 8871603134

न्यायालय पंजीयक लोक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी मंदसौर, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

प्रकरण क्रमांक-001/बी-113(1)2025-26

नियम चार

(नियम 5.1) देखिये)

सूचना पत्र

मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम 1951 (1951 की धारा 30) की धारा-5 की उपधारा (2) और मध्यप्रदेश लोक न्यास नियम 1962 का नियम 5(1) देखिये

पंजीयक लोक न्यास, मंदसौर जिला मंदसौर के समक्ष

श्री सुधर्म जैन श्रावक संघ, कंबल केन्द्र रोड, नई आबादी, मंदसौर

चूंकि श्री सुधर्म जैन श्रावक संघ, कंबल केन्द्र रोड नई आबादी मंदसौर (म.प्र.) द्वारा-आवेदक श्री विनोदकुमार पिता रोशनलाल धाकड़ निवासी रामटेकरी मंदसौर ने मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम 1951 (1951 का 30) श्री धारा-4 के अधीन अधिसूची ने लोक न्यास की तरह विनिर्दिष्ट की गई सम्पत्ति के पंजीयन के लिए आवेदन किया है। एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि आवेदन मेरे न्यायालय में दिनांक 03.07.2025 को विचार के लिए लिया जावेगा।

कोई व्यक्ति जो उक्त न्यास या सम्पत्ति में हित रखता हो और उसके बारे में की आपत्ति करने या सुझाव देने का विचार रखता हो उसे इस सूचना लोक न्यास है और उसका गठन करता है।

अतः में एस.एल. शाक्य पंजीयक, लोक न्यास मंदसौर जिला मंदसौर का लोक न्यासों का पंजीयक, अपने न्यायालय में दिनांक 03.07.2025 को उक्त अधिनियम की धारा-5 की उपधारा (1) के द्वारा अपेक्षित लांच करना प्रस्तावित करता हूं। अतः एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त न्यास या सम्पत्ति का कोई न्यासधारी या कार्यकारी न्यासधारी उसमें हित रखने वाले और किसी आपत्ति का सुझाव प्रस्तुत करने का विचार रखने वाले व्यक्ति को इस सूचना के प्रकाशन दिनांक से एक मास के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन प्रस्तुत करें और कोर्ट में मेरे समक्ष उपरोक्त दिनांक को या व्यक्तिशः अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होना चाहिए। उपरोक्त अवधि समाप्ति के पश्चात प्राप्त आपत्तियों का विचार के लिए ग्रहण नहीं किया जायेगा।

सम्पत्ति का विवरण-

(अ) अचल सम्पत्ति - कोठारी कालोनी मंदसौर में दो मंजिला भवन 450 फीट

(ब) चल सम्पत्ति - एफ.डी. राशि रुपये 5.00 लाख स्मृति नागरिक बैंक मंदसौर

लोक न्यास का नाम-श्री सुधर्म जैन श्रावक संघ, कंबल केन्द्र रोड, नई आबादी, मंदसौर (म.प्र.)

एस.एल. शाक्य
पंजीयक लोक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी
उपखंड मंदसौर (म.प्र.)

नोट-नोटिस सूचना पत्र की प्रति पंजीयक लोक न्यास के नोटिस बोर्ड पर, तहसील कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर, नगरपालिका मंदसौर के नोटिस बोर्ड पर, सार्वजनिक स्थल पर एवं अपेक्षित ट्रस्ट स्थल पर चस्पा करें।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in